दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 364 | ग्वालियर, शनिवार 14, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज़ ट्रैक

अब पोर्ट ब्लेयर का नाम भी बदला गृह मंत्री अमित शाह ने किया ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंडमान निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलने का फैसला लिया है। अब पोर्ट ब्लेयर को 'श्री विजयपुरम' के नाम से जाना जाएगा। इसका ऐलान गृह मंत्री अमित शाह ने किया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर आज गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का फैसला लिया है। 'श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है। उन्होंने आगे लिखा, इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है। चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका निभाने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा मां भारती की स्वाधीनता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

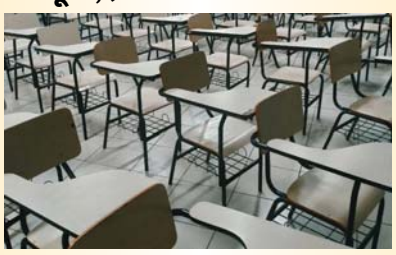

यूपी के इस जिले में नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक के बंद किए गए सभी स्कूल, प्रशासन ने लिया फैसला

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में इन दिनों भारी बारिश का दौर जारी है। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में भारी बारिश के कारण आम जनमानस परेशान हैं। यूपी के भी कई जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिससे लोगों को खासा परेशानी हो रही है। आज मौसम विभाग ने बुलन्दशहर में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। ऐसे में जिला प्रशासन ने बच्चों के हितों को देखते एक बड़ा फैसला लिया है। बुलंदशहर में आईएमडी ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, इसी के मद्देनजर जिला प्रशासन ने 14 सितम्बर को कक्षा सरकारी व गैर-सरकारी सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। डीएम के निर्देश पर बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक ने यह घोषणा की है। बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक ने निर्देश दिया कि नर्सरी से कक्षा 12 तक सभी स्कूलों में 14 सितंबर को छुट्टी रहेगी। नोटिस में कहा गया कि जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के अनुपालन में मौसम विभाग के मुताबिक, भारी बारिश की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत जिले में नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक से सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त व सहायता प्राप्त (सभी बोर्ड) स्कूलों में 14 सितंबर को अवकाश घोषित किया जाता है। इस बीच स्कूल बच्चों को ऑनलाइन क्लासेस चला सकते हैं।

उत्तर प्रदेश अयोध्या में भदरसा व खंडासा के बाद एक और गैंगरेप का मामला सामने आया, 5 आरोपी अरेस्ट

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में भदरसा व खंडासा के बाद एक और गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़ति युवती ने सात नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ थाना कैंट में गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कराया है। मामले में कैंट पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कैंट पुलिस प्रयास कर रही है। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया की पीड़िता ने 2 सितंबर को थाना कैंट में मुकदमा दर्ज कराया था। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है बाकी लोगों को गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी उसके परिचित हैं। आरोपियों ने शहर के एक होटल और गैराज में बंधक बनाकर गैंगरेप किया। किसी तरह से वह भाग निकली तो उसकी चोट भी लग गई। आरोप है कि वह महिला थाना कैंट थाना का चक्कर लगाती रही लेकिन उसकी किसी नहीं सुनी। उच्च अधिकारियों के पास जाने के बाद कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़िता ने बताया कि 14 अगस्त को आरोपी विनय का बर्थडे था। वह अपने साथ ले गया। जहां पर पर शिवा, वंश चौधरी विनय और कार ड्राइवर था। वहां पर भी इन सब ने किसी होटल में ले जाने का दबाव बनाया लेकिन वह वहां से घर निकल गई।

भारी प्रदर्शन के बीच मंडी में मस्जिद की 2 अवैध फ्लोर तोड़ने के आदेश, मिला 30 दिन का वक्त

मंडी: हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर में जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाई गई मस्जिद को ढहाने की मांग को लेकर भारी प्रदर्शन के बीच नगर निगम कमिश्नर की कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। दो मंजिला अवैध मस्जिद को तोड़ने का आदेश दिया गया है। नगर निगम कमिश्नर एचएस राणा की कोर्ट ने इसके लिए एक महीने (30 दिन) का वक्त दिया है। इससे पहले मंडी प्रशासन ने ऐलान किया था कि मंडी अवैध मस्जिद को सील किया जाएगा, मगर प्रदर्शनकारी डटे हुए हैं। मंडी नगर निगम के आयुक्त एचएस राणा ने कहा कि इस मामले की सुनवाई हमने तीन महीने में पूरी की है। सुनवाई के दौरान हमने पाया की मस्जिद में अवैध निर्माण किया गया है क्योंकि जो निर्माण किया गया था उसकी मंजूरी नहीं ली गई थी। कोई नक्शा पास नहीं कराया गया था। इसलिए हमने 30 दिन के अंदर अवैध निर्माण को गिरने का आदेश दिया है। मस्जिद को उसके पुराने स्वरूप में लाना होगा अगर मस्जिद कमेटी ने खुद अवैध निर्माण नहीं गिराया तो इस निर्माण को नगर निगम गिराएगा। 30 दिन के अंदर मस्जिद कमेटी ऊपरी अदालत में भी अपील कर सकती है। मंडी शहर में जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाई गई मस्जिद को ढहाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने शुक्रवार को पानी की बौछारें की। प्रदर्शनकारियों ने पहले मंडी बाजार इलाके में मार्च निकाला और फिर वे सेरी मंच पर धरने पर बैठ गए। बाद में जब उन्होंने मस्जिद की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया और स्थिति को काबू में करने के लिए पानी की बौछार की। हिंदू संगठनों की ओर से विरोध मार्च का आह्वान किए जाने के बाद पुलिस ने मंडी में भारी बल तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी है। तीस साल पुरानी 3 मंजिला यह मस्जिद मंडी शहर के जेल रोड पर है। आरोप है कि इसकी 2 मंजिल अवैध रूप से बनाई गई थी। मस्जिद के साथ ही एक दीवार बनाकर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का भी आरोप है। हालांकि इस दीवार को मस्जिद कमेटी ने खुद ही गिरा दिया है।

आरोप है कि मंडी के जेल रोड पर मस्जिद में 2 मंजिल बिना अनुमति बनाई गई हैं। इसे लेकर जून 2024 से ही नगर निगम आयुक्त कोर्ट में केस चल रहा है। इस मस्जिद की जमीन मुस्लिम महिला के नाम है। करीब तीस साल पहले बनी एक मंजिला मस्जिद पर इस साल मार्च में 2 मंजिल बनाई गईं। नगर निगम ने जून में काम रोकने का नोटिस दिया था। जांच की गई तो कुछ जमीन की निकली। स?क से लगी दीवार भी अवैध रूप से बनाई गई थी। स्थानीय लोगों को अवैध निर्माण और अतिक्रमण के अलावा इस मस्जिद में बाहर से आकर रहने वाले लोगों पर ऐतराज है। स्थानीय लोगों का आरोप है की मस्जिद के आसपास बाहरी लोग आकर रहने लगे हैं और ऐसे में इलाके की डेमोग्राफी भी प्रभावित हो रही है। कुछ हिंदू संगठनों का आरोप ये भी है कि इस मस्जिद की जगह पर सदियों पहले मंदिर होता था जिसे राजा ने अपने एक मुस्लिम बुनकर को नमाज अता करने के लिए दे दिया था। स्थानीय लोगों की मांग है कि इस मस्जिद के नीचे खुदाई करवाई जाए और पुरातत्व विभाग ये चेक करे कि क्या मस्जिद के नीचे मंदिर तो नहीं है। हालांकि हिंदू संगठनों के इस दावे का कोई भी पुख्ता प्रमाण अब तक सामने नहीं आया है।

हरियाणा में कांग्रेस के लिए आफत बनेगी केजरीवाल की रिहाई

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति घोटाले के संबंध में ष्टक्चद्ध द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी। केजरीवाल को जमानत दिए जाने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी की हरियाणा इकाई के प्रमुख सुशील गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी प्रमुख राज्य में चुनाव प्रचार करेंगे जहां लोग बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। सुशील गुप्ता के बयान से समझा जा सकता है कि अब,क्कहरियाणा में पहले से कहीं ज्यादा मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इतिहास देखा जाए तो जिन राज्यों में,क्क मजबूती से लड़ी है, वहां कांग्रेस का नुकसान होता रहा है, और यह बात देश की सबसे पुरानी पार्टी को परेशानी में डाल सकती है।

हरियाणा के अध्यक्ष गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए कहा, 'हम अब दोगुनी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल जी जल्द ही हरियाणा में अपना अभियान शुरू करेंगे।' हरियाणा में 5 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में ,क्कअकेले अपने दम पर लड़ रही है। गुप्ता ने कहा कि लोग को सत्ता से बाहर करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा काल में विकास ठप हो गया है। लोग उन्हें सत्ता से बाहर करने के लिए 5 अक्टूबर का इंतजार कर रहे हैं। लोग बदलाव चाहते हैं, वे एक ईमानदार सरकार चुनना चाहते हैं।' राजनीति के एक्सपर्ट्स की मानें तो भले ही हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में खास रिकॉर्ड नहीं रहा हो, इस बार वह अपने वोट बेस में बढ़ोत्तरी कर सकती है। उसकी तरफ गया एक-एक वोट नतीजों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। हालांकि

हरियाणा में अधिकांश सीटों पर मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही होने की संभावना है। इसके अलावा दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी जैसे छोटे-छोटे दल भी कुछ हद तक असर रखते हैं लेकिन वे भी शायद ही मुख्य लड़ाई में नजर आएं। इस तरह हरियाणा में एक महत्वपूर्ण फैक्टर तो है, लेकिन मुकाबले को त्रिकोणीय करने की हद तक उसकी ताकत नजर नहीं आ रही। हरियाणा चुनावों में आम आदमी पार्टी के पूरी ताकत से उतरने से कांग्रेस को नुकसान पहुंच सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब में सरकार बनाने के बाद से ही,क्कके हौसले बुलंद हैं और अपने नेता अरविंद केजरीवाल के जेल से रिहा होने के बाद उसके कार्यकर्ता और भी ज्यादा जोश में नजर आ रहे हैं। साथ ही दिल्ली के सीएम की पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ-साथ पार्टी के बाकी नेता भी प्रचार-प्रसार में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। सियासी पंडितों का मानना है कि,क्कके प्रचार अभियान को जितनी गति मिलेगी, बीजेपी विरोधी वोट उतना ही बंटेगा जिससे कांग्रेस को नुकसान और भगवा दल को फायदा हो सकता है। दिल्ली से लेकर पंजाब तक, गोवा से गुजरात तक, हर चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की कीमत पर ही अपनी जमीन तैयार की है। दिल्ली और पंजाब में पार्टी ने प्रचंड जीत हासिल करते हुए कांग्रेस को जहां सत्ता से बाहर कर दिया, वहीं गोवा और गुजरात में उसकी दुर्गति का बड़ा कारण बनी। दिल्ली का उदाहरण लें तो 2020 के विधानसभा चुनावों में ,क्कको 70 में से 62 और बीजेपी को 8 सीटें मिली थीं, जबकि 2013 तक सूबे की सत्ता में रही कांग्रेस लगातार दूसरी बार शून्य पर सिमट गई थी।

लखनऊ यूनिवर्सिटी के पास धंसी सड़क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। बता दें कि लखनऊ यूनिवर्सिटी के पास अचानक 10 फीट सड़क धंस गई। इस हादसे के बाद रास्ते को डायवर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क के नीचे से पानी का रिसाव हो रहा था, जिस वजह से सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया। गनीमत रही कि सड़क धंसने के समय उस रास्ते से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। फिलहाल वाहनों को दूसरे रास्तों से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल, शहर में पिछले काफी समय से लगातार बारिश हो रही है। बारिश की वजह से कई जगहों पर जलभराव की स्थिति भी देखी जा रही है। इस बीच लखनऊ यूनिवर्सिटी के पास एक सड़क के नीचे से पानी का रिसाव हो रहा था। लगातार पानी का रिसाव होने की वजह से सड़क धंस गई। सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्ढा बन गया। ये हादसा लखनऊ यूनिवर्सिटी के पास हुआ है। वहीं सड़क धंसने के बाद लोक निर्माण विभाग ने इलाके में बैरिकेडिंग करा दी है। साथ ही सड़क धंसने की वजह से ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। वहीं वाहनों को दूसरी तरफ से निकालने की व्यवस्था की गई है। सड़क धंसने का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें गड्ढे के अंदर से पानी का रिसाव होते हुए देखा जा सकता है। वहीं मौजूद लोगों का कहना है कि लगातार पानी का रिसाव होने की वजह से ही सड़क धंस गई और इतना बड़ा गड्ढा हो गया है। बता दें कि गड्ढ़ा होने के बाद मौके पर काफी सारे लोग भी मौजूद हो गया। गड्ढा इतना बड़ा था कि कोई कार भी आसानी से उसमें समा सकती है।

दतिया में गिरी 400 साल पुराने किले की दीवार, 9 लोग मलबे में दबेः 7 की मौत

दतिया। मध्यप्रदेश के दतिया शहर में भारी बारिश के कारण गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक घर से सटे 400 साल पुराने किले की दीवार गिर गई। वहीं दीवार के मलबे के नीचे 9 लोग दब गए। इनमें से 7 लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तड़के करीब चार बजे खालकापुरा इलाके में हुई। वहीं दीवार के गिरने से उससे सटे घर में रहने वाले नौ लोग मलबे में दब गए। दतिया के जिलाधिकारी संदीप माकिन ने बताया कि दो लोगों को बचा लिया गया और सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय निवासी ने बताया कि माना जाता है कि 'राजगढ़' नामक किला 400 साल पुराना है और कभी इसमें एक संग्रहालय हुआ करता था, जिसे बाद में कहीं और स्थानांतरित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल (एसडीईआरएफ) की टीम को बचाव अभियान के तहत छह घंटे से अधिक समय तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि घायल हुए दो लोगों का स्थानीय अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। जिलाधिकारी माकिन के अनुसार, मृतकों में से पांच एक ही परिवार के हैं, जबकि अन्य दो दूसरे परिवार के हैं। मृतकों की पहचान निरंजन वंशकार (55), ममता वंशकार (45), शिवम (20), सूरज (17), राधा (23), किशन वंशकार (55) और प्रभा (50) के रूप में हुई है।

सरकार बनते ही 1 घंटे में हटेगी शराबबंदी, प्रशांत किशोर ने विधानसभा चुनाव के पहले किया वादा

राजनीतिक रणनीतिकार से बिहार के जनसुराज कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर ने गुरुवार को हंकार भरी है और कहा कि जन सुराज, अब से एक महीने से भी कम समय में एक राजनीतिक पार्टी बनने जा रही है, साथ ही अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पूर्णिया जिले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने ये बातें कहीं। जनसुराज के संस्थापक जनसुराज ने कहा कि पार्टी का गठन 2 अक्टूबर को ÷राज्य के कम से कम एक करोड़ लोगों के सक्रिय समर्थन से किया जाएगा, जिससे किसी गठबंधन की कोई जरूरत नहीं रह जाएगी÷। किशोर ने कहा, ÷मैं यह स्पष्ट कर दूं कि जन सुराज सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, एक भी सीट कम नहीं।÷ प्रशांत किशोर ने बतौर राजनीतिक रणनीतिकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आम आदमी पार्टी के संस्थापक अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के इलेक्शन कैंपेन को संभाला है। संस्थापक ने कहा कि नई पार्टी अपनी सरकार बनने के 1 घंटे के भीतर शराब पर प्रतिबंध हटा देगी। उन्होंने कहा, शराबबंदी कानून नीतीश कुमार की ओर से एक दिखावा है। उन्होंने मौजूदा शराबबंदी को अप्रभावी बताते हुए कहा कि इससे शराब की अवैध होम डिलीवरी हुई है और राज्य को संभावित उत्पाद शुल्क राजस्व में 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। किशोर ने राजनेताओं और नौकरशाहों पर अवैध शराब बिजनेस से अनुचित लाभ उठाने का आरोप लगाया। 47 वर्षीय प्रशांत किशोर ने कहा कि वह योग्यता की राजनीति में विश्वास करते हैं और शराबबंदी के खिलाफ बोलने से नहीं कतराएँगे, अन्य पार्टियों की तरह जिन्हें डर है कि ऐसा करने से उन्हें महिलाओं के वोटों का नुकसान हो सकता है। किशोर ने कहा कि वह बिहार की दुर्दशा के लिए नीतीश कुमार और उनके पूर्ववर्ती लालू प्रसाद को जिम्मेदार मानते हैं, हालांकि कांग्रेस और भाजपा भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। किशोर ने कहा, कांग्रेस ने लालू प्रसाद के कुकृत्यों की ओर आंखें मूंद लीं, क्योंकि उनकी राजद पिछली यूपीए सरकार की सहयोगी थी। इसने उन्हें सत्ता में बने रहने में मदद की, हालांकि राजद के पास विधानसभा में कभी बहुमत नहीं था। यही हाल नीतीश कुमार का भी है, जिनकी जेडी(यू) को कभी स्पष्ट जनादेश नहीं मिला है।

दर्दनाक मौत के पीछे छुपा है खजाने का राज! 400 साल से सो रही दादी दिखाएगी रास्ता

राही अनिल बर्वे के डायरेक्शन में बनी %तुम्बाड% 12 अक्टूबर 2018 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और मात्र 5 करो? रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने 13 करो? रुपए से ज्यादा का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था। ये इंडिया में सिर्फ 575 स्क्रीन्स पर ही रिलीज हुई थी, लर्कोन फिर भी सिनेमाघरों में तहलका मचा दिया था। कम बजट में बनी इस फिल्म की कहानी आपके सोच से भी परे हैं, जिसे देख आप ये समझ ही नहीं पाएंगे की अब आगे क्या होने वाला है। फिल्म तुम्बाड की आइकॉनिक लाइन जिसे आप कभी नहीं भूल सकते हैं- दादी सो जा, वर्ना हस्तर आ जाएगा। इस लाइन में दर्दनाक मौत, जिंदगी और खजाने का राज छुपा था जो 400 साल से सो रही दादी ने बताया था। तुम्बाड 13 सितंबर को थिएटर्स में फिर से रिलीज हुई है, जिसने तहलका मचा दिया है। फिल्म की कहानी दो मौत, परिवार की खुशी और खजाने पर है, जिसे पाने के लिए विनायक राव अपनी जिंदगी तक दांव पर लगा देता है। विनायक राव के किरदार में नजर आए सोहम शाह इस फिल्म में 20वीं सदी के ब्रिटिश भारत के गांव तुम्बाड में छिपे खजाने की खोज की कहानी है। मां और भाई की मौत के बाद भी खजाने के लालच में 14 साल बाद विनायक अपने गांव लौटने का फैसला करता है। गरीबी से लाचार विनायक हस्तर से बचकर खजाने का राज जानने की कोशिश करने में लग जाता है। राही अनिल बर्वे की तुम्बाड में लालची विनायक और हस्तर की कहानी को दिखाया गया है। कौन है हस्तर जब एक परिवार हस्तर नाम के राक्षस, जिसकी कभी पूजा नहीं की जाती उसके लिए मंदिर बनाता है और उसकी शापित संपत्ति पर अपना कब्जा करने का प्रयास करता है तो उन्हें भयावह परिणामों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में 14 साल बाद विनायक राव अपने गांव वापस आता है और 400 साल से सो रही दादी से खजाने का राज पूछता है। दादी उसे सब कुछ बता कर बैकुंठ धाम चली जाती है। दादी की मौत के बाद फिल्म में दिखाया गया है कि विनायक राव (सोहम शाह) नाम का एक शख्स अपने बेटे पांडुरंग (मोहम्मद समद) को देवी मां के सालों पुराने दबे हुए खजाने के बारे में जानकारी देता। धरती के गहरे गर्भ गृह में खूब सारा सोना दफन है, जिसकी रक्षा के हस्तर नाम का शैतान करता है जो एक समय में देव माना जाता था। ऐसे में खजाना थोड़ा-थोड़ा करके उसे और उसके बेटे को मिल जाता है और वह हस्तर को आग से जला देता है। मितेश शाह, प्रसाद, राही अनिल बर्वे, और गांधी द्वारा लिखित, फिल्म का निर्माण सोहम शाह, आनंद एल राय, मुकेश शाह और अमिता शाह ने किया था।

उधारी के रुपये वापिस मांगने पर मारपीट कर, उल्टा केस भी दर्ज कराया

राजुद्दीन से मेरे पति व मेरे परिवारजनों को जान माल का खतरा है - मुनिबा खान, आईजी व पुलिस अधीक्षक को प्रार्थिया ने आवेदन देकर जांच कराने की मांग की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड (ब्यूरो)। थाना गोहद के अंतर्गत रहने वाली आवेदिका श्रीमती मुबीना खान पत्नी बल्लू उर्फ नसीर खान ने पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव के नाम दिये आवेदन में कहा है,कि उनके पति नसीर खान उर्फ बल्लू व उनके छोटे भाई के विरुद्ध षड्यंत्र पूर्वक थाना गोहद में अपराध क्रमांक 273 /2024 को झूठा आरोप लगाकर फंसाया जा रहा है। आवेदनकर्ता ने बताया कि वह वार्ड क्र 06 गोहद जिला भिण्ड की निवासी है,उनके पति का टेन्ट का व्यवसाय करते हैं और वह हार्ड पेशेंट हैं। श्रीमती खान ने बताया कि वार्ड नं 04 चम्बल कॉलोनी गोहद के अन्तर्गत निवास करने वाले राजुद्दीन पुत्र कमरूद्दीन खान का आवेदिका के घर पर आना - जाना था और आवेदिका के पति व परिवारजनों के राजुद्दीन से अच्छे संबंध स्थापित हो गये थे । राजुद्दीन की पुत्री का निकाह वर्ष - 2019 में हुआ था। राजुद्दीन को अपनी बेटी के निकाह के लिये धन राशि की आवश्यकता थी,तो उसने आवेदिका के पति से कर्जे के रूप में 5,00,000/- रू. (पाँच लाख रूपये) माँगे थे और कहा था कि व्यवस्था होते ही 5 लाख रूपये मय ब्याज के तुम्हें वापिस लौटा देंगे । आवेदिका के परिजनों के राजुद्दीन से अच्छे संबंध थे,इसलिये उस पर विश्वास करके आवेदिका के पति बल्लू नसीर खान ने 5 लाख रुपये की व्यवस्था कर गवाहन राहुल बाथम पुत्र अरून बाथम एवं गोलू पुत्र बल्लू खटीक के समक्ष राजुद्दीन खान को 5 पांच लाख रूपये कर्ज के रूप में दिये और यह भी कहा था कि तुम जो ब्याज दे सको वह ब्याज दे देना। आवेदिका ने बताया कि राजुद्दीन की पुत्री का निकाह होने के लगभग 6 माह बाद राजुद्दीन से कर्ज की राशि मय ब्याज के मांगी तो राजुद्दीन ने कहा कि अभी मेरे पास व्यवस्था नहीं है,व्यवस्था होते ही मय ब्याज के कर्जे की राशि वापिस कर दूँगा और वह लगातार आवेदिका के पति को टालता रहा । प्रार्थिया की पुत्री मुस्कान का निकाह दिनांक 06/12/2024 को तय होने पर आवेदिका को धन की आवश्यकता हुयी तो आवेदिका के पति ने राजुद्दीन से कहा कि उसकी पुत्री का निकाह होना है,और मुझे धन राशि की आवश्यकता है,तुमने मुझसे जो कर्जे की राशि 500,000/- रुपये ली है,वह रकम मय ब्याज के मुझे वापिस लौटा दो,फिर भी राजुदीन ने आवेदिका के पति से लिया गया कर्जा मय ब्याज के वापिस

नहीं किया । 14/07/2024 को आवेदिका के पति राजुद्दीन के यहां पर कर्ज की राशि लेने गए तो राजुद्दीन ने कर्जे की राशि वापिस न करते हुये आवेदिका के पति बल्लू खान को माँ - बहिन की अश्लील गालियां देते हुए कहने लगा कि मैंने तेरे से कोई कर्जा नहीं लिया है,और राजुड़द्दीन व उसके पुत्र समीर तथा अनीश ने आवेदिका के पति को एक राय होकर मारपीट करने लगे जिससे उनके दाहिने हाथ में फैक्चर हो गया । आवेदिका के पति बल्लू नसीर खान घटना की रिपोर्ट करने पुलिस थाना गोहद जा रहे थे,तो राजुद्दीन अपने रिश्तेदारों को लेकर बल्लू के पास आया और क्षमा मांगने लगा और कहने लगा कि मेरे से गलती हो गई,मैं तुम्हारे कर्ज की राशि मय ब्याज के जल्दी ही वापिस कर दूँगा और आवेदिका के पति से रिपोर्ट न करने की याचना करने लगा । आवेदिका के पति बल्लू खान ने तरस खाकर राजुद्दीन व उसके पुत्रों के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट नहीं की । बल्लू नसीर खान द्वारा घटना की रिपोर्ट न किये जाने पर राजुद्दीन आवेदिका के यहां आकर रोज कहता रहा कि मैं 2 - 4 दिन में ही कर्ज की राशि मय ब्याज के अदा कर दूँगा, किन्तु उसके मन में आवेदिका के पति बल्लू नसीर खान की धन राशि हड़प करने की योजना पनप रही थी और उसने षडयंत्र करके दिनांक - 08/08/ 2024 को आवेदिका के पति नसीर खान उर्फ बल्लू व उसके भाई बॉबी खान के विरूद्ध पुलिस थाना गोहद में अपराध क्र. - 273/2024 पर धारा 87, 64 (1), 351(3) 127(3), 142 बीएनएस के अन्तर्गत झूठा अपराध पंजीबद्ध करा दिया गया है। आवेदिका ने बताया कि जबकि उक्त अपराध से उनके पति व उसके भाई का कोई संबंध नहीं है। आवेदिका के पति नसीर खान बल्लू व उसके भाई के विरुद्ध पंजीबद्ध किये गये झूठे अपराध में घटना दिनांक 29/07/2024 की दोपहर 2 ⁼ 20 बजे की बताई गई जबकि नसीर खान बल्लू दिनांक 29/07/2024 को दोपहर 3 ⁼ 30 बजे से लेकर रात्रि लगभग 11⁼00 बजे तक पुलिस थाना गोहद में ही उपस्थित रहा था और शाम 7 बजे से लगभग 11 बजे तक राजुद्दीन की बेटी गुल्पसा बानो आयु 26 साल भी पुलिस थाना गोहद में ही थी,जिसके सीसीटीवी फुटेज पुलिस थाना गोहद में अवश्य होंगे। पडयंत्र पूर्वक लिखवाई गई झूठी रिपोर्ट में गुल्पसा बानो को आवेदिका के पति बल्लू नसीर खान व उसके भाई द्वारा जबरन गाड़ी में बैठाकर ग्वालियर ले जाना लिखवाया गया है । दिनांक - 29/07/2024 की दोपहर 2 ⁼ 20 बजे से लेकर रात्रि 11 बजे तक के गोहद-ग्वालियर मार्ग के सीसीटीवी फुटेज भी अभी उपलब्ध होंगे। उक्त सभी सीसीटीवी फुटेज की जाँच करने से झूठे अपराध की सत्यता सामने आ सकती है। आवेदिका ने कहा कि उसके पति नसीर खान उर्फ बल्लू व उसका भाई पूर्णत ⁼ निर्दोष है,राजुद्दीन ने उसके पति बल्लू से ली गई कर्जे की 5 लाख रूपये की राशि हड़पने के उद्देश्य से नसीर खान बल्लू पर दबाब बनाने के लिये षडयंत्र पूर्वक पूर्व नियोजित योजना से अपनी बेटी व बेटों के साथ मिलकर पुलिस थाना गोहद में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई है,जिसकी निपक्ष जाँच की जाना न्यायसंगत होगी । आवेदिका ने कहा कि राजुद्दीन का भरोसा नहीं किया जा सकता वह अपनी बेटी की हत्या कर या हत्या करवाकर मेरे पति अथवा मेरे परिजनों को फंसा सकता है,क्योंकि उसने ऐसी धमकी भी दे रखी है। राजुद्दीन और उसके लड़को से मेरे पति और मेरे परिजनों को जानमाल का खतरा बना हुआ है। आवेदिका ने आवेदन पत्र देकर घटना की निष्पक्ष जाँच किसी निष्पक्ष वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा कराये जाने की मांग की है।

अंबाह विधानसभा के अमल्हेड़ा गांव में श्मशान घाट तक पहुंचने में मुश्किलें, दबंगों ने रास्ता देने से किया इनकार

जिला ब्यूरो मुरैना
दैनिक पुष्पांजली टुडे न्यूज

अंबाह। विधानसभा के अमल्हेड़ा गांव से एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है, जो न केवल प्रशासन और शासन को कटघरे में खड़ा करती है, बल्कि समाज की दमनकारी नीतियों को भी उजागर करती है। यहां दबंगों ने श्मशान घाट तक जाने के रास्ते को सामाजिकता और मानवता को नज़रअंदाज़ करते हुए आम जनता के लिए बंद कर दिया है। यह घटना मडैला निवासी नत्थी सिंह तोमर की माता जी के निधन के बाद की है, जब उनके अंतिम संस्कार के लिए उन्हें श्मशान घाट ले जाया गया। लेकिन वहां की स्थिति इतनी दयनीय थी कि दलदली भूमि और कमर तक पानी में होकर अंतिम संस्कार की सामग्री ले जानी पड़ी। इस कठिनाई के बावजूद, किसी तरह उनका अंतिम संस्कार किया गया। यह घटना क्षेत्र के पिछड़ेपन और प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती है। समाज के माननीय, जिन्हें चुनाव के समय जनता की याद आती है, इस मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। जबकि इस क्षेत्र से कई नेता केंद्रीय स्तर पर पहुंच चुके हैं और अंचल का नाम गौरवान्वित कर चुके हैं, इस शर्मनाक स्थिति ने समाज की मानसिकता और सामाजिक ताने-बाने पर गहरी चोट पहुंचाई है।

भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने की मौ नगर के आमजन से अपील

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ.बेताल सिंह गौड़

मौ। नगर में कलेक्टर का आगमन हुआ उन्होंने मौ नगर एवं आसपास के गांव में जाकर भ्रमण कर जायजा लिया जिस जगह पर बाढ़ की संभावना बनी हुई है वहां पर लोगों को समझाया और आमजन से अपील कि आप लोग पानी की इस समस्या का मिलकर प्रशासन का सहयोग करें प्रशासन आपके साथ है इस बाढ़ की संभावना से लड़ने के लिए हम सभी को पूरी सुरक्षा एवं सावधानी बरतने की जरूरत है साथ ही में आप लोगों की सुरक्षा के लिए पूरा प्रशासन लगा हुआ है किसी भी प्रकार की समस्या में आप लोग प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं पूरे भिंड जिला को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है इसीलिए आप सभी लोग सुरक्षित जगह पर पहुंचकर सुरक्षित रहे इस बीच भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, भिंड पुलिस अधीक्षक डॉ.असित यादव,

एस डी एम पराग जैन, तहसीलदार माला शर्मा, मौ थाना प्रभारी डॉ. संतोष यादव,सीएमओ महेश पुरोहित, नगर परिषद अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव, नगर परिषद उपाध्यक्ष पंकज कुशवाह, पार्षद सुल्तान मौर्य, पार्षद प्रमोद यादव, पार्षद वीरेंद्र यादव आदि काई लोग उपस्थित रहे।

मंगलम गार्डन में श्रीजी फूड प्रोडक्ट ने की व्यापारियों के साथ बैठक

कार्यक्रम के अंत में बांटे व्यापारियों को उपहार

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर के मंगलम गार्डन में श्रीजी फूड प्रोडक्ट ने व्यापारियों व हलवाइयों के साथ बैठक

कर क्वालिटी व गुणवत्ता के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पवन बंसल डायरेक्टर श्रीजी, सुरेश गुप्ता डीलर दबोह श्रीजी, परमाल गुर्जर भाजपा नेता, संजय गुर्जर व्यापार मण्डल अध्यक्ष, शिक्षक संतोष खरे, पत्रकार अर्पित गुप्ता, नीरज अग्रवाल डीलर आलमपुर श्रीजी, रामलखन कुरचानिया, मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत करने से पहले मुख्यातिथियो द्वारा दीप प्रज्वलित कर माँ कैलादेवी की माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई।तदोपरांत मंचासीन अथितियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम में कम्पनी के डायरेक्टर पवन बंसल ने मौजूदा व्यापारियों व हलवाइयों से श्रीजी के सभी प्रोडक्ट्स के बारे में सवाल जबाब करते हुए प्रोडक्ट्स की क्वालिटी व गुणवत्ता को बताया तथा जिन प्रोडक्ट्स में कोई शिकायत है तो उनके बारे में सुझाव भी मांगे।जिसके बाद मौजूदा व्यापारियों व हलवाईयों ने क्रम से प्रोडक्ट्स की अच्छाई और बुराई डायरेक्टर के सामने रखी।इस दौरान कम्पनी के डायरेक्टर पवम बंसल ने जल्द ही मिली प्रोडक्ट्स को लेकर शिकायतो का निराकरण करने व क्वालिटी को और बेस्ट बनाने आश्वासन व्यापारियों को दिया।इस दौरान मंच का सफल संचालन अभिषेक श्रीवास्तव सेल्स मैनेजर श्रीजी के द्वारा किया गया।कार्यक्रम के अंत मे मौजूदा सभी को भोज कराया गया व उपहार वितरण किये गए।

आपके जनप्रतिनिधि के रूप में आपकी हर मुसीबत में हमेशा साथ खड़ा हूं: मंत्री श्री शुक्ला

दैनिक पुष्पांजली टुडे

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर जाना कुशलक्षेम

भिण्ड । नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने विगत दिवस हुई अतिवर्षा से जलभराव एवं नदियों का जल स्तर बढ़ने से निर्मित बाढ़ की स्थिति का मेहगांव विधानसभा पहुंचकर जायजा लिया। इस

दौरान कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव,एसपी डॉ असित यादव, एसडीएम मेहगांव नवनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। मंत्री श्री शुक्ला ने पैर में चोट होने बावजूद मेहगांव विधानसभा क्षेत्र में जलभराव क्षेत्र का मुआयना किया। उन्होंने नगर परिषद मेहगांव के वार्ड क्रमांक 07 में अतिवर्षा से निर्मित जलभराव की स्थिति का जायजा लिया साथ ही वार्ड वासियों से चर्चा कर कुशलक्षेम जाना। बैसली पुल पहुंचकर नदी का जल स्तर का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम कछार में बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना। साथ ही उनके भोजन-आवास की समुचित व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री राकेश शुक्ला ने राहत शिविरों में ठहरे बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर कुशलता पूछी। उन्होंने ग्राम भारौली खुर्द पहुंचकर जलभराव क्षेत्र का अवलोकन किया साथ ही अधिकारियों से चर्चा कर सिंध नदी के जल स्तर की जानकारी ली। मंत्री राकेश शुक्ला ने उपस्थित ग्रामवासियों से चर्चा कर भरोसा दिलाया कि सरकार बाढ़ पीड़ितों की राहत एवं पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है। आपके जनप्रतिनिधि के रूप में मैं आपकी हर मुसीबत में हमेशा आपके साथ खड़ा हूं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील कर कहा कि इस समय सभी नदियों का जल स्तर काफी बढ़ गया है इसलिए नदी एवं जल भराव क्षेत्र के आस पास बिल्कुल नहीं जाएं न ही किसी को जाने दें सभी प्रयास करें कि किसी प्रकार की कोई जनहानि न हो इसलिए सावधान, सतर्क एवं स्वस्थ रहें। मंत्री श्री शुक्ला ने इसके पूर्व मेहगाव कार्यालय पर वर्षा से प्रभावित लोगो से चर्चा की और मेहगाव एस डी एम, नगरपालिका सी एम ओ ,विधुत विभाग के अधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश दिये.

15 सितंबर को निःशुल्क हृदय रोग परामर्श एवं निदान शिविर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारत विकास परिषद शाखा भिंड द्वारा में चलाए जा रहे सतत सेवा कार्यों की श्रंखला में दिनाँक 15 सितंबर (रविवार) को बिशाल नि- शुल्क हृदय रोग परामर्श एवं निदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है । परिषद के सचिव राजमणि शर्मा एवं आयोजन कर्ताओं ने संयुक्त रूप से ने बताया कि द हार्ड केयर सेंटर ग्वालियर के सहयोग से डॉ. आशीष चौहान की उपस्थिति में रविवार 15 सितंबर 2024 को नि- शुल्क हृदय रोग परामर्श एवं निदान शिविर का आयोजन प्रात- 10 से दोपहर 01 बजे तक बंसल क्लिनिक, डॉक्टर लैंन भिंड में किया जाएगा। शिविर में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ई.सी.जी. की जांच चिकित्सक के परामर्श अनुसार नि-शुल्क रहेगी।

लगातार दो दिन से हुई बारिश से जन जीवन हुआ अस्त व्यस्त

दबोह क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुचे बंटू शर्मा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। क्षेत्र में 48 घण्टे से हो रही बारिश के चलते क्षेत्र में आई भयानक बाढ़ ने चारों ओर तबाही मचाकर रख दी क्षेत्र में हर जगह बाढ़ से हुई तबाही के मंजर देखे जा सकते है।कस्बा दबोह और उसके ग्रामीण अंचलों में अभी भी लोगो के बाढ़ में फंसे होने की सूचनाएं आ रही है।क्षेत्र में हुई अतिबर्षा से जनजीवन पूरी तरह बर्बाद हो गया है साथ ही किसानों की फसलें भी बर्बाद हो गई है।ग्रामीण क्षेत्रो की यह हालत है कि लोगो के सिर से मकान की छाया के साथ घर गृहस्थी का समान भी भेंट चढ़ गया।वह बेघर हो गए तो कुछ गाँव में मामूली नुकसान होने की खबर है।शुक्रवार कोलहार विधायक अम्बरीष शर्मा के अनुज अखलेश शर्मा(बंटू)दबोह के विजपुर,जाखोली,पारैछा के बाढ़ ग्रस्त गाँव में पहुंचे और उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों से मुलाकात की साथ ही उन्होंने किसानों को सात्वना दी और कहा कि आप चिंता न करे आपके साथ लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया खड़े है।आपके नुकसान की भरपाई की जाएगी।विधायक गुड्डू भैया के अनुज अखिलेश शर्मा ने बाढ़ पीड़ितों के ठहरने के साथ खाने पीने की व्यवस्था का जायजा लिया साथ ही उन्होंने लोगो को खाने के पैकेट भी वितरित किये और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की।बता दे कि भिंड कलेक्टर स्वयं लहार विधानसभा में मोर्चा संभाले हुए हैं और इस बीच वह बाढ़ पीड़ितों से भी मिले।इस बीच अखिलेश शर्मा आलमपुर क्षेत्र में भी बाढ़ पीड़ितों से मिले और उनसे चर्चा की।इस अवसर पर सीएमओ समेत दबोह,आलमपुर मंडल भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

थाना प्रभारी दबोह फोर्स समेत लगातार कर रहे क्षेत्र भ्रमण–48 घण्टे की लगातार बारिश के बाद कुछ क्षेत्रों में हालात सम्भलने लायक है तो कुछ क्षेत्रो में बाढ़ जैसे हालात बन गए है जिसके चलते थाना प्रभारी दबोह राजेश शर्मा लगातार पुलिस टीम के साथ सतर्कता बरते हुए क्षेत्र में भ्रमण कर लोगो के बीच पहुंच कर हालातो का जायजा ले रहे हैं और लोगो को भारी बारिश से बचने के उपाय भी बता रहे हैं।इस बीच थाना प्रभारी राजेश शर्मा थाना फोर्स के साथ बाढ़ पीड़ित क्षेत्र जाखौली में फल वितरण करने भी पहुंचे और मौके पर मोर्चा संभाला।

बारिश का कहर:बघेड़ी बम्बा फूटने से कुरचानिया मोहल्ला की गली तालाब में तब्दील

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। दबोह नगर व उसके आसपास तीन दिन से हो रही बारिश से आमजन को परेशानियों में डाल दिया।इस पानी से कई गांव पानी की चपेट में है तो वहीं दबोह के अमाहा माइनर के बघेड़ी बम्बा के फुट जाने से दबोह के कुरचानिया मोहल्ला के संकटा मंदिर बाली गली तालाब में तब्दील हो गई।इस मोहल्ले के कई मकानों में पानी भर गया है।साथ ही मंदिर पर दर्शन करने जाने बाले श्रद्धालुओं को काफी परेशान होना पड़ा सबसे ज्यादा परेशानी माताओं, बहिनों को हुई और वह आज माँ के दर्शन करने नही जा सकी।बता दे पिछली बार भी यह बम्बा ओवरफ्लो होकर फुट गया था उस समय भी रहबासियो का काफी नुकसान हुआ था।वहीं दबोह से बघेड़ी जाने वाली सड़क पर भी पानी का भारी मंजर देखने को मिला।फिलहाल तो घरों में पानी भरने से लोगो का काफी नुकसान हुआ है।वहीं क्षेत्र में स्कूलो का हाल भी बदतर हो गया है क्योंकि बारिश का कहर उन पर भी टूटा है।जिसके चलते दबोह क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालय ग्राम बड़ागाँव मे भी पानी भर गया।

संपादकीय

पटरी से उतरती रेल

पिछले दिनों लगातार होती रही रेल दुर्घटनाएं हर किसी व्यक्ति को परेशान करती रही हैं। दुनिया के चौथे सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क पर हम भारतीय गर्व करते रहे हैं। करीब सवा बारह लाख कर्मचारियों वाला भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाली रेल दुर्घटनाएं हमें विचलित करती हैं कि रेल यात्री की जिंदगी इतनी सस्ती क्यों है? जिन लोगों के पास रेलवे सुरक्षा का जिम्मा है क्या वे अपने दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं? निस्संदेह, देश में भारतीय रेलवे दशकों तक राजनीतिक हित साधने का शार्टकट माध्यम रहा है। गठबंधन सरकारों में घटक दलों के सांसदों में रेल मंत्रालय लेने की होड़ रहा करती थी। वजह थी कि अपने राज्य व संसदीय क्षेत्रों के बेरोजगारों को विशाल रेल तंत्र में खपाया जा सके। यह यक्ष प्रश्न है कि राजनीतिक हस्तक्षेप से की गई नियुक्तियां किस हद तक किसी विभाग या काम की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। विडंबना यह भी कि राजनीतिक लाभ के लिये नित नयी ट्रेनों की घोषणा करने वाले राजनेताओं ने रेलवे में सेवा की गुणवत्ता व सुरक्षा के पहलुओं को उतनी गंभीरता से नहीं लिया। कोई वैज्ञानिक अध्ययन सामने नहीं आया जो इस बात की व्याख्या कर सके कि पुराना रेलवे ढांचा क्या तेज गति की ट्रेनों के दबाव को सह लेगा? सर्वविदित है कि तमाम छोटी-बड़ी रेल दुर्घटनाओं के मूल में मानवीय चूक का पहलू भी सामने आता रहा है। लेकिन हाल के दिनों में रेलों को पटरी से उतारने की साजिश का जो एंगल सामने आया है, वह बेहद डरावना है। दरअसल, आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर रेल की पटरी पर ऐसे अवरोधक पाये गए हैं, जो रेल को पटरी से उतारकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते थे। इस बाबत कुछ वीडियो सुर्खियों में रहे, जिसमें पाक में सक्रिय कट्टरपंथी भारतीय रेलों को पटरी से उतारने की बात कर रहे थे। बीते रविवार उ.प्र. में कानपुर के निकट प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पटरी पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई। शुक्र है कि सिलेंडर छिटकने से विस्फोट न हो पाने पर दुर्घटना का खतरा टल गया। इस तरह पटरी से ट्रेन को उतारने की साजिश विफल हो गई। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में तमाम तेज गति की नई ट्रेनें पटरियों पर दौड़ रही हैं। उनकी गति भी बढ़ी है और रेलों की आवाजाही भी। ऐसे में सुरक्षा के प्रबंध चाकचौबंद न होने से हजारों यात्रियों की जान का जोखिम बना रहता है। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी कानपुर के पास ही वाराणसी-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस के करीब दो दर्जन डिब्बे पटरी से उतर गये थे। तब भी चालक ने किसी चट्टान के इंजन से टकराने की बात कही थी। इससे पहले चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के बेपटरी होने से चार यात्रियों को जान से हाथ धोना पड़ा था। निस्संदेह, इसके साथ ही रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि ट्रेन में सफर कर रहे हजारों नागरिकों की जीवन रक्षा के लिये रेलवे के सुरक्षातंत्र को फुलप्रूफ बनाने की जरूरत है। ये घटनाएं हमें विचार के लिये बाध्य करती हैं कि चांद व मंगल पर दस्तक देने वाला भारत अपने रेलवे तंत्र को दुर्घटनामुक्त क्यों नहीं बना पा रहा है। नीति-नियंताओं को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि गति से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि पहले सुरक्षा चाकचौबंद की जाए। यदि रेलवे को निशाने बनाने की साजिश हुई है तो उसकी उच्चस्तरीय जांच की जानी चाहिए। सिर्फ आरोप लगाने काफी नहीं है। नहीं तो विपक्ष को यह कहने का मौका मिलेगा कि सरकार अपनी विफलता छुपाने के लिये इस तरह के तर्क दे रही है। वैसे एक हकीकत यह भी कि लोकलुभावन नीतियों व लोकतंत्र में वोटतंत्र के हावी होने की वजह से रेलवे के किराये को तार्किक नहीं बनाया जा सका है। याद रहे रेलवे को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये आधुनिक तकनीक व उपकरणों को लगाने के लिये बड़ी पूंजी की जरूरत होती है। जिससे रेल यात्रा को दुर्घटना मुक्त बनाने में मदद मिल सकेगी।

मणिपुर में हिंसा की नयी लहर

एजेंसी

अशांति और हिंसा के इस माहौल में सामान्य जनजीवन पूरी तरह बर्बाद हो गया है और महिलाओं, बच्चों की जो दुर्दशा हुई है, वह कल्पना से परे है। अगर देश में मजबूत इरादों वाली सरकार होती तो अब तक मणिपुर में हालात संभालने के ठोस उपाय किए जा चुके होते।

पिछले साल मई महीने से मणिपुर अशांत है। कुकी और मैतेई समुदायों के बीच चल चुके संघर्ष में कम से कम 2 सौ लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। अशांति और हिंसा के इस माहौल में सामान्य जनजीवन पूरी तरह बर्बाद हो गया है और महिलाओं, बच्चों की जो दुर्दशा हुई है, वह कल्पना से परे है। अगर देश में मजबूत इरादों वाली सरकार होती तो अब तक मणिपुर में हालात संभालने के ठोस उपाय किए जा चुके होते। इन उपायों में राष्ट्रपति शासन से लेकर मुख्यमंत्री का इस्तीफा, सरकार की बर्खास्तगी या खुद प्रधानमंत्री का मणिपुर जाकर स्थिति समझने की पहल करना शामिल हो सकता था। लेकिन अफसोस कि इनमें से एक भी उपाय नहीं किया गया और अगर केंद्र सरकार किन्हीं अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, तो इसकी जानकारी देश को नहीं है। फिलहाल यह नजर आ रहा है कि 16 महीने से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के लोगों को उनके हाल पर केंद्र सरकार ने छोड़ दिया है। कहने को वहां राहत शिविर भी बनाए गए हैं, सैन्य बलों की तैनाती भी हुई है, पीड़ितों को मुआवजा भी दिया गया है, लेकिन इन सबके बावजूद जिस चीज की वहां सबसे अधिक जरूरत है, यानी शांति और आपसी सद्भाव की, वो सिरे से नदारद है। 2023 से 2024 आ चुका है, जिसके आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन मणिपुर में हिंसा की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अभी फिर राज्य में हिंसा की नयी लहर उठी है, जिसमें सितंबर के 10 दिनों में 11 मौतों की खबर है। इन्हें मौत न कहकर हत्या कहें, तो शायद हालात की गंभीरता का अंदाजा लगे। किसी भी संवेदनशील समाज में इस बात से रोंगटे खड़े हो सकते हैं कि एक राज्य में 10 दिन में 11 हत्याएं हो गईं, लेकिन राज्य और केंद्र की भाजपा सरकार इस संवेदनशीलता से कोसों दूर दिखाई दे रही है। पिछले सप्ताह मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने छह महीनों के भीतर शांति लाने का दावा किया था, लेकिन मौजूदा हालात उनके दावों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। जो काम पिछले एक साल में नहीं हुआ, वो अगले छह महीने में कैसे होगा, इसका खुलासा मुख्यमंत्री ने नहीं किया। लेकिन हकीकत ये है कि सितंबर महीने में मणिपुर में ड्रोन और मिसाइल के हमले से लेकर हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी जैसी भयावह घटनाएं हुई हैं। इस रविवार को ही कुकी समुदाय से आने वाले सेवानिवृत्त सैन्य जवान लिमखोलोई माटे की हत्या केवल इसलिए हो गई क्योंकि अपने दोस्त को लीमाखोंग छोड़ने गए और लौटते में वे कुकी और मैतेई इलाकों के बीच बफर जोन से गुजरे। इसी बात पर उन पर हमला कर दिया गया कि उन्होंने कुकी और मैतेई के बीच हो चुके भौगोलिक बंटवारे का उल्लंघन कर दिया। इस घटना से समझ आता है कि राज्य में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच नफरत की भावना कितनी बढ़ चुकी है। लेकिन केंद्र और राज्य सरकारों के तथाकथित शांति प्रयासों में इस समस्या को लेकर कोई चिंता नहीं दिखाई पड़ती है। राज्य में हिंसा के ताजा दौर के बाद इंटरनेट पर पाबंदी और कर्फ्यू जैसे उपाय अपनाए गए हैं। इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिमी जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा है, वहीं 15 सितंबर तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है। राज्य में अतिरिक्त सैन्य बल की तैनाती हो गई है और स्कूल-कॉलेज सब बंद हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 27 जून को संसद में अपने अभिभाषण के दौरान कहा था कि मेरी सरकार पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए निरंतर काम कर रही है। पिछले 10 साल में अनेक पुराने विवादों को हल किया गया है। अब श्रीमती मुर्मू को देश को यह भी बता देना चाहिए कि उनकी सरकार के मुताबिक स्थायी शांति की परिभाषा क्या है और इसके मानक क्या हैं। क्या दो समुदायों के बीच अपने सुविधा के हिसाब से भौगोलिक सीमाएं बनाकर एक का दूसरे में प्रवेश वर्जित करना शांति के दायरे में आता है। क्या इंटरनेट प्रतिबंध और कर्फ्यू शांति काल की पहचान है। राज्य के हजारों बच्चों को पढ़ने के अवसर नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। व्यापारिक प्रतिष्ठानों के काम में अड़चनें आ रही हैं। दैनंदिन जीवन सैन्य निगरानी के साए में बीत रहा है। क्या ये सब पुराने विवादों के हल होने की निशानी है या विवादों को चुपचाप भड़कने देने की कवायद है। राष्ट्रपति महोदया क्या अपने अगले संबोधन में देश को इन सवालों के जवाब देंगी। प्रधानमंत्री मोदी हाल में कई देशों के दौरे पर जा चुके हैं और हर जगह उन्होंने अपनी सरकार की बड़ाई की। श्री मोदी इस समय रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए भी काफी मेहनत करते दिख रहे हैं। उन्होंने हाल में रूस और यूक्रेन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से हाथ मिलाकर साथ देने का वादा भी किया है। लेकिन क्या श्री मोदी अब थोड़ा वक्त मणिपुर जाने के लिए निकालेंगे। मणिपुर की पूर्व राज्यपाल अनुसूइया उइके ने कहा है कि मणिपुर के लोग इस बात से निराश हैं कि श्री मोदी उनके बीच नहीं आए। क्या नरेन्द्र मोदी इस बात में छिपी चिंता को समझेंगे।

गिरिराज रचित आलोचना शास्त्र से अब बेअसर होते राहुल गांधी

डॉ. दीपक पाचपोर

एक बार फिर भारत में वैदे वे लोग नाराज होंगे जो मानते हैं कि देश को आजादी 2014 में मिली हैय या पहले मिली भी है तो वह 99 साल की लीज वाली थी। बहरहाल, राहुल गांधी कुछ भी कहें इसका जवाब या स्पष्टीकरण जहां से आना चाहिये वहां से नहीं आता बल्कि उन लोगों की ओर से आता है जिन्हें न तो इसके लिये अधिकृत किया जाता है और न ही वह पार्टी का मान्यताप्राप्त बयान होता है। हिमंता बिस्वा सरमा, अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, स्मृति ईरानी, कंगना रनौत या गिरिराज सिंह जैसे कुछ लोग हैं जो बार-बार एक जैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनका दुर्भाग्य यही है कि वे राहुल के लिये कोई नया आलोचना शास्त्र नहीं लिख पाये हैं। वह उन्हीं मानदण्डों पर है जो 2014 के आसपास बनाया गया था और जिस हांडी पर एक बार खिचड़ी पकाई जा चुकी है। यह उनके समर्थकों का भी दुर्भाग्य है कि वे उन्हीं की कही बातों पर भरोसा कर रहे हैं जबकि थोड़े बहुत जो समझदार लोग भाजपा या सरकार में हैं, वे सारे राहुल की आलोचना से किनारा कर चुके हैं। अब गिरिराज की ही बात करें तो वे पुरानी बातें ही कह रहे हैं- मसलन, विदेशी धरती पर भारत की आलोचनाएं, भारत की बदनामी, दुश्मन देशों को प्रोत्साहन आदि। इन्हीं जैसों में से किसी की बात का सिरा थामकर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह कह देंगे कि पता नहीं कांग्रेस को देश से क्या दुश्मनी है या उन्हें देश की इज्जत प्यारी नहीं आदि। ये सारी बातें मोदी के जुमलों की तरह की बासी हो चुकी हैं जिन पर पानी छिड़ककर वैसा ही ताजा किया जाता है जैसे कोई कुंजड़िन बासी सब्जियों पर पानी का छिड़काव कर उसे ताजी बनाये रखने की कोशिश करती है, ताकि वह उसे अगली सुबह बाजार में बेच सके। मजेदार यह है कि इस विचार और सब्जी के खरीदार अब भी हैं जबकि वे जान चुके हैं कि इस आलोचना में कोई तार्किकता रह नहीं गयी है। फिर भी, पहली बात वे यह समझ लें कि लोकतंत्र एक सार्वभौमिक और संयुक्त अवधारणा है। एक देश में लोकतंत्र को खतरा अन्य देशों की चिंता का विषय हो सकता है। जैसे पड़ोसी देशों में सैन्य सरकार की स्थापना अथवा निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कोई देश नजरंदाज नहीं कर सकता। दूसरे, जिन लोगों के सामने राहुल ने यह बात कही है वे भारतीय ही हैं जिन्हें खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत का हिस्सा बताते रहे हैं। वे वहां इसीलिये बस गये हैं क्योंकि उन्हें सुव्यवस्था और सुशासन दिखता है। साथ ही अवसरों की बहुलता दिखी है। इन सब बातों का भारत में अभाव ही तो उन्हें उस नयी दुनिया में ले गया। वहीं उन्हें विविधता का सम्मान करना आया, समतामूलक समाज के दर्शन हुए, धर्मनिरपेक्षता को उन्होंने जाना और लोकतंत्र का महत्व समझा। कुछ अपवादों को छोड़कर ये सारे भारत से गये वे लोग हैं जो साधन-सम्पन्न थे। कुछ समय वहां रहने के बाद देशज धारणाओं को त्यागकर उन्होंने अमेरिकी मूल्यों को अपनाया है। यह अलग बात है कि मोदी के कारण उन्होंने फिर से भारत को वैसा ही बनाना चाहा जो गैरबराबरी वाला हो, लोकतांत्रिक मूल्यों से विहीन हो, तानाशाही का पुट लिये हुए हो और बहुलतावादी वर्चस्व का हिमायती हो। हाउडी मोदी और अबकी बार ट्रम्प सरकार वाली भीड़ की जब आंखें खुलीं तो वह राहुल के लिये पलक पांवड़े बिछाने लगी। बकौल गिरिराज सिंह देश की बदनामी यहां से शुरू होती है। प्रेस के बारे में तो सीधी बात है कि अंतरराष्ट्रीय प्रेस का कोई अपना देश नहीं होता। विशेषकर अमेरिका या सच्चे मायनों में किसी भी लोकतांत्रिक देश का प्रेस वैश्विक दृष्टिकोण से काम करता है- निष्पक्ष होकर। वह अमरीकी राष्ट्रपति को तक नहीं छोड़ता, तो उसके लिये भारत का प्रधानमंत्री खबरों के एक स्रोत से बढ़कर कोई अहमियत नहीं रखता। समर्थकों के लिये कोई नेता उनका भगवान हो सकता है लेकिन उस प्रेस बिरादरी के लिये सारे राष्ट्राध्यक्ष एक सरीखी अहमियत और स्थान रखते हैं। अंत में, वर्तमान डिजीटल युग में आप जहां भी बैठकर कुछ कहें वह वैश्विक प्रसार पा ही जाता है। विदेशी धरती पर जाकर देश की आलोचना करने की शिकायत वे ही करते हैं जो बेहद पुराने कालखंड में जी रहे हैं। भाजपा समर्थकों को इस बात से भी परेशानी है कि राहुल ने वहां चीन की इस बात को लेकर तारीफ की है कि उसने रोजगार की समस्या पर काबू पाया है। अगर यह सच है कि चीन ने ऐसा किया है तो उसका उल्लेख करने में क्या परेशानी है? अगर लगता है कि यह गलत बयानी है तो मोदी अपनी आसन्न यात्रा में सही आंकड़े पेश कर राहुल का मुंह बन्द कर दें। इसका उल्लेख करने मात्र से कोई देशद्रोही और न करने से कोई देशभक्त नहीं बन जाता। यह पाठ भी भाजपा को अपने आलोचना शास्त्र से हटा देना चाहिये क्योंकि लोग जानते हैं कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा कुछ एप पर प्रतिबन्ध और उनके समर्थकों द्वारा दीवाली की झालरों के बहिष्कार से बढ़कर कुछ नहीं किया गया है। भारत चीन को जितना निर्यात कर रहा है, उससे कई गुना अधिक आयात करता है। चीन ने कितनी भारत की जितनी जमीन हथियाई है और कितने गांवों के नाम बदल दिये हैं- इसे लेकर सरकार को बयान देना चाहिये और पहले की भौगोलिक स्थिति को बहाल करना चाहिये। यही लाल आंखें दिखाना है। दुनिया जिस तेजी से बदली है, उसे भाजपा पकड़ नहीं पा रही है। न ही मोदी समझ सके हैं। खासकर, 2019 की महामारी (कोरोना) और राहुल की दो यात्राओं के बाद लोगों की समझ में बड़ा फर्क आया है। पहले नागरिकों के मुकाबले राज्य को बलशाली बनाने की कोशिश की जा रही थी, पर लोगों को अंततः अपने आर्थिक सशक्तिकरण का महत्व समझ में आ गया। लोकसभा के चुनावी नतीजे यही बताते हैं। यदि भाजपा आज सरकार में है तो वह इसलिये कि कांग्रेस का चुनावी प्रबन्धन आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हो पाया था। उसे भीतरघात तो मिला ही, इंडिया गठबन्धन को नीतीश कुमार और जयंत चौधरी ने ऐन वक्त पर धोखा भी दिया। आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौते भी आधे-अधूरे रहे। राहुल के बयानों की आलोचना करने के लिये अब भाजपा को बदलती दुनिया के अनुरूप नये मानदण्ड बनाने होंगे। उसे अपने शब्दकोश के साथ ही खुद को समानता, स्वतंत्रता, बन्धुत्व, धर्मनिरपेक्षता जैसे मूल्यों से स्वस्फूर्त सम्पन्न करना होगा। 'लोकतंत्र' और 'संविधान' की तरह नहीं, जिसका उल्लेख करना उसने तब शुरू किया था जब उसे चुनावी हार दिखने लगी थी। अपने नेतृत्व एवं काडर को उसे इन मूल्यों का महत्व बतलानी होगी तब कहीं राहुल या कांग्रेस की उसकी आलोचना में वजन पड़ेगा।

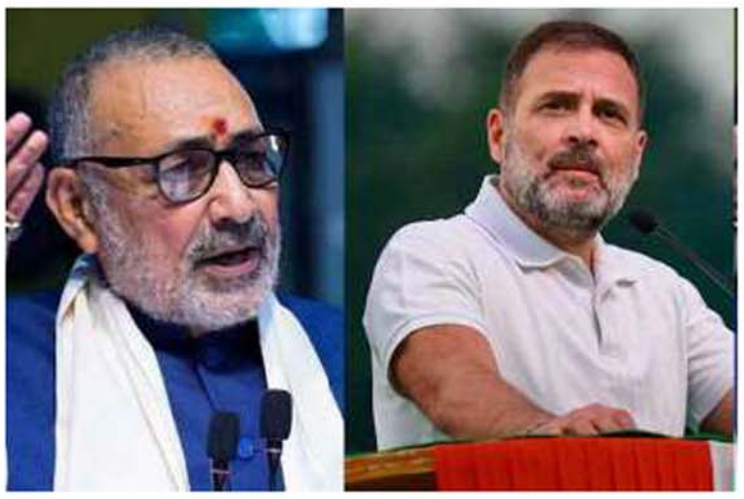

कांग्रेस की दक्षिण रणनीति से जुड़ा है वायनाड से प्रियंका का चुनाव लड़ना

कल्याणी शंकर

हरियाणा के आगामी विधानसभा चुनाव में कौन विजयी होगा? क्या सत्तारूढ़ भाजपा राज्य में अपना कब्जा बरकरार रखेगी या फिर कांग्रेस जीत का मौका भुनायेगी? देश की निगाहें महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू और कश्मीर में आसन्न चुनावों के नतीजों पर भी टिकी हैं, जो इन राज्यों के भविष्य को आकार देंगे और राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। हरियाणा 90 सीटों के साथ एक विविधतापूर्ण बहुकोणीय मुकाबले के लिए तैयार है। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। फिर भी, आप, समाजवादी पार्टी, सीपीआई (एम), सीपीआई और हरियाणा लोकहित पार्टी जैसी अन्य पार्टिया भी मैदान में हैं, जो चुनावी गतिशीलता में विविधता ला रही है।जेजेपी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने दुष्यंत चौटाला को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया है। वहीं, इनेलो और बसपा ने अभय सिंह चौटाला को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मैदान में हैं। भाजपा की ओर से नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैदान में हैं। दोनो ही पार्टियों में अंदरूनी समस्याएं हैं। भाजपा के मामले में मंत्री रणजीत सिंह चौटाला और विधायक लक्ष्मण दास नापा ने टिकट नहीं मिलने पर पार्टी छोड़ दी। अन्य प्रमुख हस्तियों और जिला नेताओ ने टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया। गठबंधन सहयोगी आप के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा के दौरान हुड्डा समेत हरियाणा के कांग्रेस नेता कुछ ही सीटे देने को तैयार है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस दस साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी को लेकर आशावादी है। पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी को गठबंधन के लिए रणनीतिक रूप से लुभाने की कोशिश कर रही है। आप नेता और दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में शामिल होने के आरोप में अभी भी जेल में है। हरियाणा चुनाव अहम है। भाजपा तीसरी बार सत्ता में आना चाहती है, जबकि कांग्रेस सत्ता हासिल करना चाहती है। अन्य क्षेत्रीय दल भी सत्ता में हिस्सेदारी के लिए होड़ में है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी दस सीटें जीती थीं। 2024 में उसे केवल पांच सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस ने बाकी पांच सीटें जीतीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुमत से वंचित भाजपा ने जद(यू) और तेलुगु देशम की मदद से सरकार बनाई। 2014 से पहले हरियाणा में भाजपा एक छोटी खिलाड़ी थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद ही पार्टी ने गति पकड़ी। 2019 में भाजपा ने 40 सीटों के साथ सरकार बनायी, जो बहुमत से सिर्फ छह कम थी, दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने दस सीटें जीतकर भाजपा का समर्थन किया। हालांकि, जेजेपी ने हाल ही में भाजपा के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर लिया है। हरियाणा में, भाजपा का वोट शेयर 2019 में 58.2प्रतिशत से घटकर 2024 में 46.11प्रतिशत हो गया। इसका मुख्य कारण किसानों द्वारा कानूनी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी की मांग करना था। 2024 में, क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने भाजपा के वोट शेयर को पीछे छोड़ दिया। मार्च में, भाजपा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री नियुक्त किया। नये मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी योजनाएं शुरू की है, सरकारी नौकरियों में रिक्त पदो को भरने का वायदा किया है और जाट मुद्दे का लाभ उठाने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, भाजपा को जाटों का समर्थन नहीं है। साथ ही, सैनी के छह महीने के छोटे कार्यकाल ने उनके प्रभाव को सीमित कर दिया है।2024 के लोकसभा चुनावों मेंअपनी लोकसभा सीटों को दोगुना करने के बाद कांग्रेस उत्साहित है। कांग्रेस बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, किसानो के मुद्दों और विवादास्पद अग्निवीर योजना पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पार्टी जनता के सुझावों के आधार पर अपना घोषणापत्र तैयार कर रही है, जिसमें वृद्धों के लिए 6,000 रुपये पेंशन और 300 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी कल्याणकारी योजनाएं शामिल है। पार्टी को पहली बार मतदान करने वाले 452,000 मतदाताओं और 40 लाख युवा मतदाताओं पर भी भरोसा है। कांग्रेस का लक्ष्य विपक्षी वोटों को एकजुट करना है, जबकि भाजपा उन्हें रणनीतिक रूप से विभाजित करना चाहती है। हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों में आप का कुछ प्रभाव है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा संकेतों के मुताबिक आप ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई है। कांग्रेस में भी खटपट चल रही है। कांग्रेस गुटबाजी का सामना कर रही है। यह हुड्डा और कुमारी शैलजा के नेतृत्व में दो समूहों में विभाजित है। पार्टी दोनों गुटों को संतुष्ट करने की कोशिश कर रही है, लेकिन हुड्डा मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पिछली भूमिका के कारण अधिक प्रभाव रखते हैं। कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची में दलबदलू और पूर्व मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदार शामिल हैं। हरियाणा में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि पार्टी की सीटें कम हो सकती हैं। भाजपा की कमजोरियां है राज्य स्तर पर मजबूत नेतृत्व की कमी और विपक्ष के आरोपों के जवाब में किसी दमदार बात का न होना। पार्टी के अभियान का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक किसी भी चुनावी रैली को संबोधित नहीं किया है। कांग्रेस को आत्मसंतुष्टि, आंतरिक संघर्षों को दूर करके संगठन को मजबूत करना चाहिए। उम्मीदवारों की सूची घोषित होने के बाद भाजपा को विद्रोह का सामना करना पड़ा और कुछ प्रभावशाली नेताओं ने पार्टी के लिए अपनी रणनीति बदली।

गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों एवं चिकित्सा शिक्षकों को बताए गए आत्महत्या रोकथाम के उपाय

रीवा। गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय में आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के दौरान आत्महत्या रोकथाम हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सह प्राध्यापक डॉ रुचि सोनी ने कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, चिकित्सा शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ कविता एन सिंह ने आत्महत्या को रोकने के लिए संवाद के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम अपने परिवार व दोस्तों से निरन्तर जुड़े रहकर आत्महत्या जैसे नकारात्मक विचार को स्वयं से दूर रख सकते हैं। कार्यक्रम में आत्महत्या रोकथाम विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन कम्पटीशन के विजेता छात्रों को पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विख्यात मनोचिकित्सक डॉ आर एन साहू ने आत्महत्या के कारणों एवं रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. साहू ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर जागरूकता लाते हुए और संवाद कौशलों को बेहतर बना कर आत्महत्या को रोका जा सकता है. आत्महत्या के रोकथाम की जिम्मेवारी केवल मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की ही नहीं हैं बल्कि अन्य महत्वपूर्ण विभाग जैसे स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, युवा मामलों, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, गृह विभाग और अन्य विभागों की भी जिम्मेदारी है. डॉ साहू ने बताया कि हर स्तर पर सकारात्मक संवाद बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि बात करने से ही बनेगी बात. वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक श्री राहुल शर्मा ने आत्महत्या के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा की। महाविद्यालय के मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जे पी अग्रवाल ने आत्महत्या के विषय मे सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। टेलीमानस हेल्पलाइन न.14416 जिसका उपयोग कर सहायता प्राप्त की जा सकती है एवं एंड्रॉइड एप्प मनहित जिससे स्वमूल्यांकन किया जा सकता है, के बारे में जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक डॉ समीक्षा साहू ने आत्महत्या रोकथाम हेतु आत्महत्या करने वाले व्यक्ति की बातों एवम व्यवहार से वार्निंग साइन पहचानने के तरीके बताए जिससे ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें आत्महत्या करने से रोका जा सके। उन्होंने आत्महत्या रोकथाम हेतु टूलकिट की जानकारी दी।

रीवा के शिक्षा जगत की गणेशोत्सव में साहित्यकार

शिक्षकों की विशेष प्रस्तुतियां, सम्मानित हुए साहित्य के शिक्षक

रीवा। डाइट रीवा में 10 दिवसीय गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में आज भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणपति जी के पूजन अर्चन से हुआ। इसके पश्चात डाइट प्राचार्य गंगा प्रसाद उपाध्याय द्वारा सभी कवियों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पहार से स्वागत किया गया। इस अवसर पर एस के त्रिपाठी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा,सुदामा लाल गुप्ता जिला शिक्षा अधिकारी रीवा, गंगा प्रसाद उपाध्याय प्राचार्य डाइट रीवा, श्याम नारायण शर्मा पूर्व प्राचार्य डाइट रीवा एवं राजेश मिश्रा सहायक संचालक के अलावा डाइट के सभी व्याख्याता गण एवं छात्राध्यापक उपस्थित रहे। आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपने मनमोहक और रसीले अंदाज में काव्य पाठ कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।आज के कवि सम्मेलन में जिन प्रमुख कवियों ने काव्य पाठ किया उनमें प्रमुख रूप से शिवानंद तिवारी गीतकार एवं गजलकार,राष्टीय काव्यधारा के कवि चंद्रकांत तिवारी,छंदों के माध्यम से कविता की रसधार बहाने वाले अनुसुइया प्रसाद मिश्र,बघेली के मनहर कवि उमेश मिश्रा लखन, हास्य एवं व्यंग्यकार रामकृष्ण द्विवेदी,आशीष तिवारी निर्मल एवं अमित द्विवेदी ने काव्य पाठ किया।

17 सितंबर को जिला चिकित्सालय में पीएम जन औषधि केंद्र का होगा शुभारंभ

कलेक्टर श्री शर्मा ने तैयारियों का लिया जायजा

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर जिला चिकित्सालय खरगोन में पीएम जन औषधी केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा। इसका संचालन रेडक्रॉस समिति द्वारा किया जाएगा। 13 सितंबर को कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने जन औषधि केंद्र के निर्माण एवं कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, सीएमएचओ डॉ. एमएस चौहान, पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री श्री विजय सिंह पंवार, शहरी विकस अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री उमेश जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है अस्पतालों का निरीक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था एवं स्वच्छता बनाएं रखने के लिए कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अस्पतालों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी श्री भारत सिंह जमरे एवं श्रम पदाधिकारी श्री अमित डुडवे ने 13 सितंबर को रक्षा हॉस्पिटल परसाई कॉलोनी खरगोन का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। अधिकारियों द्वारा अस्पतालों का निरीक्षण करने के पश्चात प्रतिवेदन जिला कार्यालय को प्रस्तुत किया जा रहा है।

कलेक्टर ने आगामी बुड़वा मंगल की तैयारियों के संबंध में दंदरौआ धाम का निरीक्षण किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव आगामी बुड़वा मंगल की तैयारियों जायजा लेने दंदरौआ धाम पहुंचे। उन्होंने आगामी बुड़वा मंगल के दिन मंदिर में मेले का आयोजन से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण करने हेतु बैठक करने एसडीएम मेहगांव और तहसीलदार को निर्देश दिए। उन्होंने बुड़वा मंगल से पूर्व बिजली एवं पानी की व्यवस्था और सड़क की मरम्मत एवं सड़क किनारे लगी झाड़ियों की सफाई कार्य पूर्ण करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही पीने के लिए ठंडा पानी और जगह जगह अस्थाई टॉयलेट की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने आगामी बुड़वा मंगल को दंदरौआ मेला में सभी गेट पर एंबुलेंस, अस्थाई चिकित्सा

अस्पताल, महिला डॉक्टर नियुक्त करने निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए। उन्होंने बेरिकेटिंग, पेयजल शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था के लिए पानी की टंकी सफाई कराने, रास्ते में जगह जगह पीने के पानी की व्यवस्था भी स्थानीय स्तर पर कराने निर्देश कार्यपालन यंत्री को दिए। इसके साथ ही ईई पीडब्ल्यूडी को रोड़ की मरम्मत, रोड़ साइड बेरिकेटिंग, अस्थाई टॉयलेट की व्यवस्था करने निर्देश दिए। उन्होंने सीएमओ मेहगांव को साफ सफाई की व्यवस्था करने निर्देश दिए। उन्होंने एमपीईबी को निर्देशित कर कहा कि आवश्यक विद्युत व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। 24 घंटे निर्बाध लाइट उपलब्ध रहे। मेला अवधि में लाइट नहीं जाए। दंदरौआ मेला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो। इसके लिए पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जाए। उन्होंने बताया कि मेले के दिन मंदिर के लिए जाने वाले मार्ग पर ही वाहनों को बेरीकेड्स लगाकर रोक दिया जाए।

यातायात के नियमों की उड़ रही धज्जियां सड़क पर वाहन दौड़ा रहे नाबालिग

स्कूलों में दो पहिया वाहन लेकर जा रहे नाबालिग छात्रों की निगरानी नहीं कर पा रही यातायात

रीवा। शहर में यातायात के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है आटो में जहां छात्रों को ठूंस ठूंस कर भरा जाता है वहीं नाबालिग स्कूलों के लिए निजी वाहनों से वेतरतीव वाहन चलाते देखे जा सकते हैं।इतना ही नही इन अवैधानिक चालकों और नाबालिग अबैध वाहन चालकों के कारण शहर में घंटों में जाम लगता है आखिर यातायात विभाग नियमों को ताक में रखकर वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है?यह सवालिया निशान यातायात पुलिस पर लग रहे हैं। यातायात के जिम्मेदार अधिकारी केवल अपने मातहतों पर निर्भर है कभी जमीनी हकीकत देखने सड़क पर नही आते केवल औपचारिकता कर पल्ला झाड़ लेते हैं और जनता घंटों जाम के झाम में उलझ कर रह जाती है। उल्लेखनीय है कि रीवा शहर के अस्पताल चौराहा, जय स्तंभ, घोड़ा चौराहा, फोर्ट रोड, प्रकाश चौराहा, अमहिया मार्ग सुबह से जाम के उलझन में आम जन तड़फते रहते हैं और यातायात कर्मी ताल ठोकते अन्य चौराहों में देखे जाते हैं किसका ग्रहण यातायात पर लग गया है कह पाना मुश्किल है केवल आम जन का वाहन से नियत स्थान पर पहुचना दूभर है न तो समय पर कर्मचारी कार्यालय पहुंच पाते और न ही व्यापारी व्यापार के नियत स्थान पर कहां सो रही यातायात पुलिस।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत खरगोन पुलिस ने थाना स्तर पर निकाला फ्लैग मार्च

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन पुलिस के द्वारा जिले मे आगामी त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुए निकाला गया फ्लैग मार्च, संवेदनशील क्षेत्रों मे भारी पुलिस बल के साथ की गई एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही, सोशल मीडिया की निगरानी हेतु किया गया विशेष टीम का गठन,

पुलिस-प्रशासन की पूरी तैयारी

जुलूस के मार्गों की ड्रोन कैमरा के माध्यम से की गई सर्चिंग, परंपरागत मार्गों से ही निकलेंगे जुलूस व चल समारोह, गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश, कैमरों और विडिओ कैमरों से पूरे कार्यक्रम की जाएगी विडिओग्राफी, 700 पुलिस कर्मचारी/अधिकारी जिला पुलिस बल, ॠ एवं 600 विशेष पुलिस अधिकारी रहेंगे तैनात, चल समारोह मे शराब पीकर आने वाले लोगों पर की जाएगी कार्यवाही

आगामी ढोल ग्यारस, ईद व अनंत चतुर्दशी आदि त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन के निर्देशन अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया के मार्गदर्शन मे जिले के समस्त एसडीओपी व थाना प्रभारियों को फ्लैग मार्ग/एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य मे खरगोन पुलिस के द्वारा जिले के

प्रत्येक थाना क्षेत्रांतर्गत फ्लैग मार्च/एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही की गई है। खरगोन पुलिस के द्वारा की गई फ्लैग मार्च की कार्यवाही से आम जन मानस मे जागरूकता, विश्वास और सुरक्षा की भावना को बड़ाने उद्देश्य से, सांप्रदायिक/संवेदनशील इलाकों मे पैदल भ्रमण करने के आमजन और पुलिस के बीच समन्वय स्थापित होता है, यातायात व्यवस्था दुरुस्त होती है एवं अपराधियों मे भय कायम करने मे सहायक होता है। पुलिस के द्वारा एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही के साथ-साथ पुलिस के द्वारा सघन वाहन चेकिंग एवं होटल, लाज, ढाबों आदि को भी चेक किया जा रहा है। पुलिस के आसूचना संकलन के दौरान असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जा रही है, सोशल मीडिया की निगरानी हेतु विशेष टीम का गठन किया गया है जो सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाने वालों पर कार्यवाही करेगी। त्यौहारो पर निकालने वाले जुलूस की ड्रोन कैमरा व सीसीटीव्ही कैमरा से निगरानी रखी जाएगी। ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों और विडिओ कैमरों से पूरे कार्यक्रम की विडिओग्राफी भी कराई जाएगी। गड़बड़ी फैलाने वाले व चल समारोह मे शराब पीकर आने वाले लोगों पर की जाएगी कार्यवाही। उक्त त्यौहारो मे 700 पुलिस कर्मचारी/अधिकारी जिला पुलिस बल, एवं 600 विशेष पुलिस अधिकारी रहेंगे तैनात।

परीक्षण कर पानी की कठोरता एवं बैक्टिरिया की उपस्थिति का पता लगाना बताया

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मप्र शासन के आदेशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खरगोन द्वारा जल जनित बीमारियों के रोकथाम तथा जल की जांच विषय पर सीएम राइड़ विद्यालय टेमला में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पीएचई बीआरसी अमित गुर्जर एवं जिला प्रयोगशाला प्रभारी लोकेन्द्र शर्मा ने हायर सेकंडरी के छात्र छात्राओं को परीक्षण करके पानी का पीएच मान, पानी की कठोरता एवं पानी में बैक्टिरिया आदि की उपस्थिति का पता लगाना बताया गया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को केवल प्रयोगों के द्वारा नहीं वरन विस्तार पूर्वक कारण व निदान को भी समझाया। इस अवसर पर विद्यालय को 100 जाँचों की किट भी उपलब्ध कराई गई है। प्राचार्य अशोक सिंह पंवार ने छात्र-छात्राओं से आव्हान किया कि इस मौसम में जब पानी में बहुत गंदगी हो सकती है उसे एक बोतल में भरकर विद्यालय में लाकर किट के माध्यम से जांच करवाने की सुविधा सभी के लिए उपलब्ध है। इस अवसर पर उप प्राचार्य श्री बी पाटीदार, श्री मायाराम पाटीदार श्री योगेश गर्दे, श्रीमती सोनाली सुगंधी, सुश्री पूजा पाटीदार, पवन भावसार, मोनिका मिश्रा आदि उपस्थित थे।

हाउसफुल 5 में हुई चित्रांगदा सिंह की एंट्री

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फ्रैंचाइज़, हाउसफुल 5, में चित्रांगदा सिंह और डिनो मोरिया की एंट्री हो गयी है। चित्रांगदा सिंह और डिनो आधिकारिक तौर पर हाउसफुल 5 की कास्ट में शामिल हो गए हैं।चित्रांगदा और डिनो इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका में नज़र आएंगे।

चित्रांगदा दो महीने लंबे शेड्यूल की शूटिंग के लिए लंदन जाएंगी। शेड्यूल का एक हिस्सा क्रूज पर भी शूट किया जाएगा।

हाउसफुल 5 की शूटिंग 15 सितंबर से शुरू होगी और इसका लंदन में 45 दिनों का मेराथन शेड्यूल होगा। वहीं डिनो भी जल्द ही लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू करनेवाले हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं।

इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, फरदीन खान, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ जैसे सितारे भी शामिल हैं। यह फिल्म 2025 में स्क्रीन पर आने पर एक बड़ा मनोरंजन करने वाली फिल्म बनने के लिए तैयार है।

अमिताभ ने माइकल जैक्सन संग मुलाकात को याद किया

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने क्विज़ शो, कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीज़न में किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन के साथ अपनी अविस्मरणीय मुलाकात को याद किया।13 सितंबर को अमिताभ बच्चन, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के बहुचर्चित रियलिटी क्विज़ शो कौन बनेगा करोड़पति के सीजन 16 में पद्मश्री विजेता डॉ. अभय और डॉ. रानी बंग को सम्मानित करेंगे।

जैसे ही ये असाधारण कर्मवीर हॉटसीट पर बैठेंगे, अमिताभ बच्चन महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने में उनके परिवर्तनकारी काम की सराहना करेंगे।एक सहज बातचीत में अमिताभ बच्चन ने डॉ. रानी बंग से पूछा कि उनका पसंदीदा गायक कौन है और उन्होंने माइकल जैक्सन के लिए अपने प्यार का इजहार किया।

(फोटोः एएनआई)

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्होंने अमिताभ की प्रतिष्ठित 'किंग ऑफ पॉप' माइलक जेक्ससन के साथ यादगार मुलाकात के बारे में सुना था और उनसे यह बताने को भी कहा कि वह अनुभव कैसा था। अमिताभ बच्चन ने माइकल जैक्सन के साथ अपनी मुलाकात को बड़े प्यार से याद किया और कहा, मैं न्यूयॉर्क में एक होटल में ठहरा था। मैंने उनका अभिवादन किया और उन्होंने पूछा कि क्या यह मेरा कमरा है।

जब मैंने पुष्टि की तो उन्हें अहसास हुआ कि वे गलती से गलत कमरे में आ गए थे। बाद में जब वे अपने कमरे में गए, तो उन्होंने किसी को उस व्यक्ति से संपर्क करने के लिए भेजा, जिसके कमरे में वे गलती से चले गए थे। आखिरकार हमें बैठकर बात करने का मौका मिला। अपनी अपार प्रसिद्धि के बावजूद वे अविश्वसनीय रूप से विनम्र थे। इस तरह हमारी पहली मुलाकात हुई।

अमिताभ बच्चन ने कहा, एक अन्य अवसर पर माइकल जैक्सन का अमेरिका में एक शो था, और न्यूयॉर्क से कार्यक्रम स्थल तक पहुँचना एक संघर्ष था।

'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत रोमांटिक ड्रामा 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्रेलर वीडियो साझा किया है।ट्रेलर की शुरुआत में 90 के दशक के गाने के साथ राजकुमार राव और तृप्ति की शादी के वीडियो की झलक दिखती है। इस फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने पति-पत्नी का किरदार निभाया है। इस वीडियो की शुरुआत राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के सुहागरात से होती है जहाँ दोनों अपने सुहागरात की वीडियो को रिकॉर्ड करने की बातें कर रहे होते हैं।

शाहरुख की फिल्म 'जवान' जापान में होगी रिलीज

(फोटोः एएनआई)

पिछले साल सितंबर में रिलीज हुई बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान', अब जापान में प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। यह फिल्मा 29 नवंबर को वहां रिलीज होगी। शाहरुख ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर किया। इसमें वह, नयनतारा और विजय सेतुपति नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, एक कहानी न्याय की...प्रतिशोध की...खलनायक और नायक की... एक कहानी जवान की...आ रही है जापान के थिएटरों में पहली बार, तो अब रह गया बस एक सवाल – तैयार। जिस आग और एक्शन को आप सभी ने पसंद किया, वह जापान में बड़े पैमाने पर आ रहा रहा है! 29 नवंबर 2024 को जापान में रिलीज होगी जवान !

शंकर और जयकिशन के बीच भी हुई थी अनबन

भारतीय सिनेमा जगत में सर्वाधिक कामयाब संगीतकार जोड़ी शंकर-जयकिशन ने अपने सुरों के जादू से श्रोताओं को कई दशकों तक मंत्रमुग्ध किया और उनकी जोड़ी एक मिसाल के रूप में ली जाती थी, लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया, जब दोनों के बीच अनबन हो गई थी। शंकर और जयकिशन ने एक-दूसरे से वादा किया था कि वे कभी किसी को नहीं बताएंगे कि धुन किसने बनाई है, लेकिन एक बार जयकिशन इस वादे को भूल गए और मशहूर सिने पत्रिका फिल्म फेयर के लेख में बता दिया कि फिल्म 'संगम' के गीत 'ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर कि तुम नाराज न होना...' की धुन उन्होंने बनाई थी। इस बात से शंकर काफी नाराज भी हुए। बाद में पार्श्वगायक मोहम्मद रफी के प्रयास से शंकर और जयकिशन के बीच हुए मतभेद को कुछ हद तक कम किया जा सका।

जयकिशन दयाभाई पांचाल का जन्म 04 नवंबर 1932 को गुजरात में हुआ। बचपन के दिनों से ही उनका रुझान संगीत की ओर था और उनकी रुचि हारमोनियम बजाने में थी। जयकिशन ने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा वेदलाल से हासिल की और प्रेमशंकर नायक से भी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा हासिल की।जयकिशन पर धुनें बनाने का जुनून इस कदर सवार

रहता था कि जब तक वे धुन तैयार नहीं कर लेते, उसमें ही रमे रहते थे। अपनी इसी खूबी की वजह से उन्होंने अपना अलग ही अंदाज बनाया। 1946 में अपने सपनों को नया रूप देने के लिए जयकिशन मुंबई आ गए और एक फैक्ट्री में टाइमकीपर की नौकरी करने लगे। इस बीच उनकी मुलाकात शंकर से हुई। शंकर उन दिनों पृथ्वी थिएटर में तबला बजाने का काम किया करते थे और उसके नाटकों में छोटे-मोटे रोल भी किया करते थे।शंकर की सिफारिश पर जयकिशन को पृथ्वी थिएटर में हारमोनियम बजाने के लिए नियुक्त कर लिया गया। इस बीच शंकर और जयकिशन ने संगीतकार हुस्नलाल-भगतराम की शागिर्दी में संगीत सीखना शुरू कर दिया। वर्ष 1948 में राज कपूर अपनी फिल्म बरसात के लिए संगीतकार की तलाश कर रहे थे। उन्होंने शंकर-जयकिशन को मिलने का न्योता भेजा। राज कपूर शंकर-जयकिशन के संगीत बनाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने शंकर-जयकिशन से अपनी फिल्म बरसात में संगीत देने की पेशकश की।फिल्म बरसात में उनकी जोड़ी ने 'जिया बेकरार है' और 'बरसात में हमसे मिले तुम सजन' जैसा सुपरहिट संगीत दिया। बरसात की कामयाबी के बाद शंकर-जयकिशन संगीतकार के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए।शंकर-जयकिशन की जोड़ी गीतकार हसरत जयपुरी और शैलेन्द्र के साथ काफी पसंद की गई। शंकर-जयकिशन को सर्वाधिक नौ बार सर्वश्रेष्ठ संगीतकार के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। शंकर की जोड़ी जयकिशन के साथ वर्ष 1971 तक कायम रही। 12 सितंबर 1971 को जयकिशन इस दुनिया को अलविदा कह गए। अपने मधुर संगीत से श्रोताओं को भावविभोर करने वाले संगीतकार शंकर भी 26 अप्रैल 1987 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।शंकर-जयकिशन की जोड़ी वाली सुपरहिट गीतों में कुछ हैं- आवारा हूं, आवारा हूं या गर्दिश में आसमान का तारा हूं, ऐ मेरे दिल कहीं और चल, प्यार हुआ इकरार हुआ है, मेरा जूता है जापानी, सब कुछ सीखा हमने ना सीखी होशियारी, अजीब दास्तां है, चाहे कोई मुझे जंगली कहे, बोल राधा बोल संगम होगा कि नहीं, मैं का करूं राम मुझे बुड्ढा मिल गया, सजन रे झूठ मत बोलो, मैं गाऊं तुम सो जाओ, जीना यहां मरना यहां, आजा सनम मधुर चांदनी में हम, तेरी प्यारी-प्यारी सूरत को, बहारों फूल बरसाओ, पर्दे में रहने दो, जाने कहां गए वो दिन... आदि।

बहुरंग

फिल्म युद्धा का गाना हट जा बाबू रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल के धमाकेदार डांस मूव्स से सजा एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म 'युद्धा' का नया गाना हट जा बाजू रिलीज कर दिया गया है। एक्सेल एंटरटेनमेंट फिल्म युद्धा के साथ एक थ्रिलिंग एंटरटेनमेंट देने के लिए तैयार है। दो एक्शन से भरपूर ट्रेलर, एक रोमांटिक सॉन्ग साथिया और एक हाई-एनर्जी पार्टी सॉन्ग सोहनी लगदीए रिलीज़ करने के बाद, निर्माताओं ने अब अपना लेटेस्ट ट्रैक हट जा बाजू को रिलीज़ कर दिया है। सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल पर फिल्माए गए इस स्टाइलिश ट्रैक में दोनों स्टार्स को जबरदस्त और स्टाइल के साथ एक-दूसरे से मुकाबला करते हुए दिखाया गया है। जब सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन और राघव जुयाल ने पुणे के एक कॉलेज इवेंट में हट जा बाजू लॉन्च किया, तब फिल्म और गाने को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया। यह ट्रेक ना सिर्फ राघव जुयाल के चार साल बाद डांस में वापसी को मार्क करता है, बल्कि उनके जबरदस्त मूव्स को सिद्धांत के साथ शोकेस भी करता है। हट्ट जा बाजू में केली डिलीमा, विशाल ददलानी और अर्श मोहम्मद ने अपनी दमदार आवाज़ दी है, जबकि गीतकार मशहूर जावेद अख्तर हैं।

दिलचस्प

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' का क्रेज जारी!

पैन इंडिया फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के गाने सूसेकी से प्रेरित गणपति मूर्तियां पंडालों में छा गयी हैं। विशाखापत्तनम का एक फैन इंस्टाग्राम पर एक अनोखे गणपति डेकोरेशन रील की वजह से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। रील में भगवान गणेश को पैन इंडिया फिल्म पुष्पा 2: द रूल के गाने सूसेकी (हिंदी में अंगारों) के एक आइकॉनिक पोज में दिखाया गया है, जिसमें नेशनल अवॉर्ड विनर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना हैं।यह रील पोस्ट करते ही जल्द से जल्द पॉपुलर होने के साथ ही वायरल हो गया, जिसे फैंस और भक्तों ने बेहद पसंद किया और इसे सिर्फ एक दिन में हजारों के संख्या में लाइक्स और शेयर दिए हैं। फैन ने इस क्रिएटिव आइडिया ने फॉलोवर्स को खुश कर दिया है और पुष्पा फ्रेंचाइजी के दुनिया भर में फैले इनफ्लुएंस को भी पेश किया है। इस गाने में , अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के आइकॉनिक डांस मूव्स ने सीक्वल के लिए एक्सिटमेंट को बढ़ा दिया है।इस साल 06 दिसंबर को सिनेमाघरों में आने वाली 'पुष्पा 2: द रूल' की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता ही जा रहा है।

एमी अवाइर्स को होस्ट करने वाले पहले भारतीय होंगे वीर दास

स्टैंड-अप कॉमेडियन और अभिनेता वीर दास अंतर्राष्ट्रीय एमी अवाइर्स को होस्ट करने वाले पहले भारतीय होंगे। वीर दास 52वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवाइर्स की मेजबानी करेंगे। वीरदास एमी अवार्डस को होस्ट करने वाले पहले भारतीय होंगे। वीर दास का नाम इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज 2024 के इंटरनेशनल एमी अवाइर्स के होस्ट के रूप में घोषित किया गया है।इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज ने घोषणा करते हुए बताया कि स्टैंड-अप कॉमेडियन और अभिनेता वीर दास सोमवार, 25 नवंबर, 2024 को न्यूयॉर्क शहर में होने वाले इंटरनेशनल एमी अवाइर्स को होस्ट करेंगे।

इस उपलब्धि के लिए वीर दास ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए आभार जताया है। उन्होंने लिखा, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, एक भारतीय एमी होस्ट। मैं इस साल एमी की मेजबानी करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता! पागलपन। मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। बेहद सम्मानित और उत्साहित हूं। वीर दास ने कहा,मैं इंटरनेशनल एमी की मेजबानी करने के लिए बहुत खुश हूं. यह दुनिया भर के मेकर्स को प्रोत्साहित करने के लिए एक बहुत बड़ी प्रतिष्ठित रात है, जो मेरा मानना है कि अपना बेस्ट कंटेंट बना रहे हैं।

खेत में बनी झोपड़ी में लटका मिला ग्रामीण का शव: बेटे ने हत्या की आंशका जताई

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

शिवपुरी। जिले के अमोला थाना क्षेत्र के घसारही गांव में खेत पर बनी झोपड़ी में ग्रामीण का शव फांसी के फंदे आज शुक्रवार सुबह 11 बजे लटका हुआ मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमॉर्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक घसारही गांव का रहने वाला 60 वर्षीय उदय सिंह ठाकुर रात में अपने खेत पर जाकर सोता था। गुरुवार शाम भी वह खेत पर सोने के लिए गया था। उदय सिंह ठाकुर रोज सुबह खेत से वापस आते वक्त घर दूध लेकर आता था। जब आज सुबह उदय सिंह घर दूध लेकर नहीं पहुंचा तब उसका बेटा भानू प्रताप अपने पिता को बुलाने सुबह 11 बजे खेत पहुंचा। जहां उदय सिंह ठाकुर का शव झोपड़ी में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला था। भानू प्रताप ने उसके पिता की हत्या की आशंका जताई। भानू का कहना है, झोपडी की इतनी ऊंचाई नहीं है कि फांसी लगाई जा सके। पिता का शव तखत पर मिला था, उनके पास में खून भी मिला है। बताया गया है कि उदय सिंह के एक बेटे की मौत हो चुकी है। वहीं एक अन्य बेटा सड़क दुर्घटना का शिकार हो चुका था। जिसके उपचार में काफी पैसा लग चुका था। इससे उदय सिंह ठाकुर डिप्रेशन में रहता था। अमोला थाना प्रभारी राज सिंह चाहर का कहना है कि इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

वरघोड़े में झलकी राजस्थानी संस्कृति

वरघोड़े में गूंजे बाबा रामदेवजी के जयकारे

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। रामदेव भक्त मंडल बेंगलूरू पश्चिम अग्रहारा दासरहल्ली की ओर से 14 वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में शुक्रवार को भव्य वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़ा पैदल यात्रा संघ सुबह 7 बजे हनुमान मंदिर दासरहल्ली से प्रारम्भ हुआ जो विभिन्न मार्गो से होते हुए रामदेव मंदिर में पहुंचा। जहां श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की गई उसके बाद महाआरती की गई। वरघोड़ा में सबसे आगे बाबा का ध्वज एकता का ध्वज एकता का परिचय दे रहा था। रामदेव भक्त मंडल के सदस्य धर्म ध्वज के साथ बाबा रामदेव के जयकारे लगाते चल रहे थे। वरघोड़े में राजस्थान की संस्कृति का मेल भी दिखा। इसमें बाबा रामदेव की झांकी के आगे ढोल नृत्य करते अनेक क्षेत्रों के गेर मंडलों ने भाग लिया। वरघोड़े में गेर मंडलों ने हाथो में रंग-बिरंगी छतरिया एवं कलर पेपर से सुसज्जित डांडियों के साथ गैर नृत्य कर रहे सभी सदस्य आकषर्क का केंद्र रहे। वरघोड़े रथ में सवार शीतल संत राजाराम व गौ ऋषि संत प्रकाश दास महाराज सभी का अभिवादन कर रहे थे। ढोल की थाप पर महिलाएं घोल गेरे में बाबा के गुणों का बखान किया। मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर संस्था के सरंक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, राजेश पारिक, सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेशचंद चावत एवं अध्यक्ष चेतन सीरवी, उपाध्यक्ष पर्वतसिंह राजपुरोहित, सचिव पकज शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश सीरवी, चेतन बागरेचा, संगठन मंत्री अनिल कुमार सीरवी, रामनिवास जांगिड,महेंद्र सिंह राजपुरोहित बन्नूर एवं महिला मंडल,रामदेव भक्त मंडल कार्यकारिणी सदस्य आदि मौजूद थे।

समाजसेवियों द्वारा ग्वालियर-भिण्ड हाइवे को लेकर 15 सितंबर को सर्किट हाउस पर बैठक

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । ग्वालियर भिंड हाईवे एनएच 719 जो इटावा तक जाता है,दो राज्यों को जोड़ता है,मात्र 30 फुट की सिंगल रोड है, यह हाईवे भिंड को चिड़ा रहा है,आमने सामने की टक्करों में भिंड जिले के हजारों नौजवान काल के गाल में चले गए हजारों महिलाओं के मांग का सिंदूर उजड़ गया, कितने ही बुजुर्गो के आखरी सहारो को इस हाईवे ने छीना है,समाजसेवियों ने कहा कि गाय माता प्रति दिन इस हाईवे पर कुचली जाती है,बड़ा दुख होता है,आसपास के जिलों में बड़े-बड़े हाईवे बन रहे हैं, पर हम कहा है,भिण्ड में भिंड- ग्वालियर हाईवे पर पीएनसी टोल कंपनी का लालच उनके राजनीतिक आकाओं की तागत इस हाईवे को बनने नहीं दे रहे हैं,समाजसेवी सुनील शर्मा फौजी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि जिले के समाजसेवियों ने भिंड के जिलेवासियों से 15 सितंबर को सर्किट हाउस भिंड पर होने वाली मीटिंग में दोपहर 12 ~ 30 पर शामिल होकर आंदोलन की रणनीति बनाने में सहभागिता करने की अपील की है, आंदोलन बड़ा होगा तो सरकार पर दबाव उतना बड़ा होगा।

बेसली नदी ने 34 साल बाद दिखाया रोद्र रूप,दोपहर बाद हुआ पानी कम

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद-दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण सभी नदी नाले उफान पर है जिसके चलते ऐनो गांव में आसन नदी का पानी तेजी से बढ़ते देख निचली बस्ती को खाली कराया और सभी को अस्पताल एवं सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया था, वहीं जियाजीपुर, आलोरी, चंदूपुरा, ऐचाया, पिपरोली, रूरीपुरा, खडेर, चितोरा, बगथरा, बघराई, निवरोल, खितोली, बंधा बरथरा, घूम का पुरा, नावली, बसारा, छीमका, गंगादास का पुरा, मानिक चौक, ब्रह्मपुरी, गोहदी, गिरगांव सहित लगभग आधा सैकड़ा गावो में पानी भर गया था। प्रशासन ने निचली बस्तियों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया था।लोगों ने मवेशियों तथा आवश्यक सामग्री को लेकर सुरक्षित जगहों पर रात बिताई। गुरुवार शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे बैसली नदी के पुल के पिलर पानी में डूबने से प्रशासन की चिंताएं बढ़ गई ।और पुलिस प्रशासन ने बेरी गेट लगाकर पुल पर दोनों तरफ से आवागमन बंद कर दिया ।लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा बाढ़ का नजारा देखने के लिए भीड़ उमड पड़ी जिसे प्रशासन ने मुश्किल से काबू किया। हालांकि दोपहर के बाद जल स्तर हमने से हल्के वाहनों का आवागमन शुरू कर दिया गया था।शाम तक नदी का पानी काफी कम हो गया।और लोगों ने राहत की सांस ली।पुल पर भी आवागमन शुरू कर दिया गया।

श्रमजीवी पत्रकार संघ ने पत्रकारों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।श्रमजीवी पत्रकार संघ संगठन ने पत्रकारों की कुछ मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम भिण्ड कलेक्टर को ज्ञापन सोपा जिसमे मांगे हैं मध्यप्रदेश सरकार ने पत्रकारों के हित में आज से एक दशक पूर्व पत्रकार कल्याण बीमा के नाम से योजना लागू की थी। इस योजना से पत्रकार साथियों को अपना या अपने परिवार के किसी भी सदस्य के इलाज कराने की मेडिकल सुविधा प्रीमियम राशि जमा करने के उपरांत मिल जाती है हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग ने पत्रकार कल्याण बीमा कराने का विज्ञापन जारी किया है। उसमें इस बार अधिमान्यता और गैर आधिमान्य पत्रकारों के सभी आयु वर्ग के दो लाख और पांच लाख रुपए के बीमा की प्रीमियम राशि काफी बढ़ा दी है। कई हमारे साथी ऐसे हैं उनको उनके अखबार मालिकों की ओर से कोई सहयोग नहीं मिलता है। वे प्रीमियम राशि जमा नहीं कर सकते हैं बीजेपी की उत्तरप्रदेश सरकार निशुल्क बीमा योजना चला रही है उसी प्रकार मप्र में भी इससे लागू करने की अपेक्षा है अतः आपसे आग्रह है कि मध्यप्रदेश सरकार श्रमजीवी पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना बीमा योजना बर्ष 2024-25 के लिए बढ़ाई गई प्रीमियम राशि को सहानभूतिपूर्वक शून्य करें इसके साथ ही मध्यप्रदेश मे भी उत्तरप्रदेश की भाजपा शासित योगी सरकार की तर्ज पर पांच लाख रुपये तक की पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना निशुल्क लागू किए जाने की घोषणा करें पत्रकार स्वास्थ्य बीमा राशि शून्य करने की मांग का 3 दिवस में निराकरण किया जाए। ऐसा नहीं होता है तो मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ मध्यप्रदेश सरकार की बीमा योजना को अस्वीकार करने के लिए बाध्य होगा। आपसे यह भी निवेदन है कि आवेदन करने की तिथि 20 सितंबर से 30 सितंबर तक बढ़ाने के भी आदेश दें। ताकि आपके समूचे निर्णय के बाद संगठन निर्णय ले सकते हैं।

एक दर्जन मजदूर पानी के बीच में फंसे

नवीन। अस्पताल में फंसे मजदूरों का एसडीआरएफ टीम ने किया रेस्क्यू-100 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कृषि मंडी के पास वैशली नदी के किनारे किया जा रहा है । जिसका प्रथम तल पानी में डूब गया। नवीन अस्पताल की बिल्डिंग में काम कर रहे लगभग एक दर्जन मजदूर पानी के बीच में फंस गए जिन्होंने दूसरी मंजिल पर बैठकर रात बिताई। सूचना मिलने पर शुक्रवार को सुबह एसडीआरएफ की टीम ने स्थानीय नागरिकों की मदद से सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला।इस दौरान मौके पर विधायक केशव देशाई भी पहुंच गए। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य दशरथ घुरैया ने रेस्क्यू टीम के साथ तैरकर मजदूरों को निकालने में मदद की। प्रशासनिक अधिकारी विश्राम शाक्य तहसीलदार गोहद,आरआई एवं पटवारी गण तथा पुलिस अधिकारी मोजूद थे। कढ़ाई में बैठाकर बकरियां पहुंचाई सुरक्षित स्थानों पर - ग्राम पंचायत कठवां हाजी के मौजा रूरी का पुरा में बैसली नदी का पानी घरों में घुस गया जहां से लोगों ने सुरक्षित स्थान पर निकलने का प्रयास किया। तथा मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर ले गए इस दौरान बकरियां एवं बकरियों के बच्चों को पानी की अधिकता होने के कारण बड़ी कढ़ाईयों में बैठाकर गांव में भरे पानी से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। तेज पानी में बह गया जानवरों का भूसा एवं राशन-बारिश के पानी हर जगह विकराल रूप दिखाया ऐसी स्थिति में लगभग आधा सैकड़ा से अधिक गांव में बाढ़ के हालात बने और लोगों के द्वारा पशुओं के लिए लगाए गए भूसा के कूप एवं घरों में रखा हुआ राशन अनाज आदि तेज बहाव में बह गया वहीं कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

आगामी त्यौहारों को देखते हुए भिंड शहर में पुलिस का फ्लैग मार्च

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आगामी त्यौहारों को देखते हुए पुलिस की क्षेत्र में सतत् उपस्थिति दिखनें हेतु आज दिनांक 13/09/2024 की शाम पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ. असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव पाठक के नेतृत्व में भिण्ड शहर थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में आने वाले त्यौहारों की सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। उक्त फ्लैग मार्च में पुलिस बल द्वारा थाना सिटी कोतवाली से गोल मार्केट होते हुए गौरी किनारा, चौधरी मोड, हनुमान बजरिया, गोल मार्केट, महावीरगंज होते हुए थाना सिटी कोतवाली पर सम्पन्न हुआ पुलिस के उक्त फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिण्ड संजीव पाठक, उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय दीपक तोमर,नगर पुलिस अधीक्षक अरुण उईके, थाना प्रभारी सिटीकोतवाली, थाना प्रभारी देहात, थाना प्रभारी उमरी, यातायात प्रभारी, थाना प्रभारी बरोही एवं पुलिस लाईन के अधिकारीगण सहित 150 की संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद खरगोन जिला, खरगोन म.प्र.

निविदा सूचना क्रमांक/55/MCK/11849/ई-टेंडर/2024 खरगोन, दिनांकः- 30/08/24

:निविदा आमंत्रण सूचनाः

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www,mptenders,gov पर देखा जा सकता है।

अ.क.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2024-UAD-367025-1 Dete-31/08/2024	वार्ड क्रं. 23 जकरिया मस्जिद के पास अमिन के मकान से पप्पी के मकान तक एवं अमजद के मकान से गुलु बाबा के मकान तक नाली निर्माण कार्य।	01 माह लागत-256737/-	2000-/- 2567/-	
2	2024-UAD-367026-1	वार्ड क्रं. 25 अल्ताफ किराणा से फजल के घर तक नाली निर्माण एवं CC Road	01 माह लागत-251183/-	2000-/- 2511/-	28/09/2024
3	2024-UAD-367027-1	वार्ड क्र. 25 गुलशन नगर में काजी सरफराज खान के मकान से सैयद सा. के मनकान तक सी.सी. रोड़ निर्माण।	01 माह लागत-248905/-	2000-/- 2489/-	
4	2024-UAD-367029-1	वार्ड क्रं. 33 रहीमपुर में विभिन्न गलियों में सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	02 माह लागत-2964594/-	5000/- 22234	

नोटः विविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन hups://mptender.gov,in की वेबासाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, खरगोन

(भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष

(बीरेन्द्र सिंह चौहान) सभापति लो.नि. विद्युत एवं यांत्रिकी नगर पालिका परिषद, खरगोन

(एम.आर. निंगवाल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद, खरगोन

यादगार बन जाए त्योहारों का मौसम

सालों से त्योहारों का मतलब आपके लिए सजना-संवरना, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलना, स्वादिष्ट चीजें खाना और भरपूर मौज-मस्ती करना रहा है। पर, इस साल चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी। अब आपको किसी के साथ मिलकर त्योहार सेलिब्रेट करना होगा क्योंकि आपकी शादी हो चुकी है। शादी के बाद त्योहारों के इस पहले मौके को कैसे यादगार बनाएं, बता रहे हैं

किनसे मिलना है ज्यादा जरूरी

आप दोनों के दोस्त अलग-अलग हैं। अपना-अपना ग्रुप है। रिश्तेदारों से भी इस मौके पर मिलना-जुलना होगा ही। अब सवाल यह है कि त्योहारों के मौके पर आप किन-किन लोगों से मिलेंगे। हमेशा दोनों साथ-साथ लोगों से मिलने जाएं। यह बात तय मानिए कि आप अपने सभी दोस्तों-रिश्तेदारों से मिल नहीं सकतीं। बेहतर होगा कि अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें। अगर आपका मायका और ससुराल दोनों एक ही शहर में है तो पहले इन दोनों जगह पर जाने की योजना बनाएं। इसके बाद ही कहीं और जाने के बारे में सोचें। अगर आप घर से दूर रह रहे हैं, तो त्योहार के मौके पर दोस्तों से मिलने से बेहतर और क्या हो सकता है!

बजट तय कर लें

त्योहारों का मौसम यानी खर्चों का मौसम। कपड़े, गिफ्ट, सजावट का सामान, मिठाई..लिस्ट ऐसी जो खत्म होने का नाम न ले। अपने त्योहारों का बजट पहले से तय कर लें ताकि जब त्योहार बीत जाए तो आपका बैंक बैलेंस बिल्कुल खत्म न हो जाए। इस बात को अनदेखा ना करें कि पैसे से जुड़ी परेशानियां आपके रिश्ते में भी खटास ला सकती हैं। शान-शौकत से शादी के बाद का पहला त्योहार मनाने के चक्कर में अपने रिश्ते पर आंच न आने दें।

सोच-समझकर खरीदें उपहार

पूजा-पाठ के साथ-साथ त्योहारों के मौसम का एक अहम पक्ष है उपहार। आप यह बात तो अच्छे से जानती हैं कि अपने परिवार के सदस्यों को उपहार में कौन-सी चीजें दी जाएं या उनकी पसंद-नापसंद क्या है। पर, आपके ससुराल के लोगों को क्या पसंद आएगा और क्या नहीं, यह आपको मालूम नहीं। अपने ससुराल वालों और अपने पति के दोस्तों के लिए उपहार सोच-समझकर चुनें। इस बात को ध्यान में रखें कि सामने वाले की पसंद के अनुसार खरीदा गया उपहार, किसी महंगे उपहार की तुलना में ज्यादा मायने रखता है।

घर पर करें आयोजन

हर किसी से मिलने उनके घर पर जाने से बेहतर है कि आप अपने घर पर एक समारोह का आयोजन करें और अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को अपने घर बुलाएं। दरअसल, यह मौका आपके मायके और ससुराल दोनों जगह के लोगों को एक-दूसरे का जानने का मौका भी देगा। साथ ही आप इस पशोपेश से भी बच पाएंगी कि कहां जाएं और कहां नहीं। एक साथ त्योहार मनाने का यह आपका पहला मौका है। इस मौके का उपयोग अपने रिश्तेदारों को बेहतर तरीके से जानने में करें। अपने ससुराल के लोगों से मिले और उनसे सही मायने में जुड़ने की कोशिश करें। अपने रिश्तेदारों को नजदीक से जानने का यह बेहतरीन मौका साबित हो सकता है।

घर भी खुशी से गुनगुनाएगा

कुर्सी पापा के दिल के करीब है, तो मम्मी को लगता है कि 15 साल पुरानी साड़ी पहनने का मौका कभी तो आएगा ही। पर, इन सबके बावजूद अगर यह सारा सामान इस्तेमाल में न आ रहा हो, यों ही स्टोर रूम में पड़म हो तो... तो मान लीजिए गंदगी का एक और ठिकाना तैयार है। इस साल त्योहारों के मौसम में जब घर की सफाई करें, तो इन सारे सामानों को उनके असल ठिकाने पर जरूर पहुंचा दें। घर की साफ-सफाई के दौरान उसे व्यवस्थित करें और एक नया रूप दें

घर का स्टोर रूम खचाखच भरा है। इसके अलावा आधी छत का भी यही हाल है। इतना ही नहीं, वो पीछे वाला कमरा, घर के दीवान, अलमारियां भी मुंह तक भरी हैं। श्वेता जब 10 साल पहले शादी करके इस घर में आई, तब उसकी सासू मां ने घर के बारे में यही कहा था। पर स्थिति में आज भी कोई सुधार नहीं हुआ है। ऐसा हाल सिर्फ श्वेता का नहीं है। 'आज नहीं तो कल यह चीज इस्तेमाल में आ ही जाएंगी' वाला रवैया हम सभी के घरों में ढेरों सामान इकट्ठा करा देता है। यादों से जुड़ाव भी इसकी एक वजह बनती है। परिणाम यह होता है कि घर में सामान इकट्ठा होता चला जाता है और गंदगी इकट्ठा होती है, सो अलग। इस दीवाली घर की साफ-सफाई के साथ-साथ घर में जमा हुए ढेरों सामानों का काम तमाम जरूर कीजिए। फेंकना समझदारी नहीं होगी, क्योंकि इनमें से कई सारी चीजें सही स्थिति में होती हैं। इसलिए या तो उन्हें किसी जरूरतमंद को दे दें या फिर कुछ ऐसा करें कि वह दोबारा इस्तेमाल में आ जाएं।

कुछ और सुझाव

पुराने सीडी केस का इस्तेमाल आप बिना इस्तेमाल के रखे वायर को रखने में कर सकती हैं। पुराने फोटो फ्रेम्स को थोडम-सा पेंट करके उसे सर्विंग ट्रे के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। सफाई में निकले पुराने बल्ब अगर इस्तेमाल करने लायक नहीं है तो इनमें सॉकेट की ओर से छेद करके उसका इस्तेमाल प्लावर वास के रूप में कर सकती हैं। पुरानी चम्मचें जिनका इस्तेमाल अब आप नहीं करती हैं उन्हें एक तरफ से दीवार पर चिपका दें और दूसरी ओर से इसे थोडम ऊपर कर दें। यह खूंटी का काम करेगा।

पहले वॉर्डरोब, आखिर में सोफा कवर्स

जी हां, इस दिवाली जब घर की सफाई करें, तो कहीं से भी शुरुआत न करके वॉर्डरोब से काम आगे बढ़ाइए

वॉर्डरोब - दरअसल वॉर्डरोब की सफाई आसान होने के साथ जल्दी भी होती है। ध्यान यह रखना है कि कपड़ों से अपने लगाव को कम करते हुए, कम इस्तेमाल वाले कपड़ों को अलमारी से बाहर तो निकाल ही दीजिए। और फिर बाद में इसका जो भी इस्तेमाल करना हो, कीजिए। सफाई करते वक्त छोटे कपड़ों को ड्राअर में रखें। रोज इस्तेमाल में आने वाले कपड़ों को एक ओर, और खास मौके पर पहने जाने वाले कपड़ों को दूसरी ओर रखें।

पंखे और लाइट्स - वैसे तो पंखे और लाइट्स को हर दो-तीन महीनों में साफ करते रहना चाहिए। इससे पंखे की स्पीड भी बनी रहती है और बल्ब वगैरह भी खूब रोशनी देते हैं। पर दीवाली के वक्त इनकी सफाई खासतौर पर की जाती है।

किचन - सबसे ज्यादा समय और परेशानी किचन की सफाई के लिए होती है। ढेरों कैबिनेट्स, डिब्बे, बरतन और एग्जॉस्ट फैन के साथ न जाने क्या-क्या। यहां की सफाई धीरे-धीरे कीजिए, एक दिन में न निपटा पाएं, तो दो दिन में कर लीजिए।

परदे और सोफा कवर - परदे और सोफा कवर की सफाई आखिरी में करने से होगा यह कि दिवाली के मौके तक यह साफ दिखेंगे, वहीं घर आए मेहमानों से पहला सामना इन्हीं का होगा जो आपकी इमेज बनाएगा।

अभी तक नहीं किया, तो अब कीजिए मदद

हम सबको पता है कि पुराने और न इस्तेमाल होने वाले कपड़ों की सही जगह जरूरतमंदों के पास है। आप अपने यहां काम करने वाले लोगों, सड़क चलते भिखारियों या फिर अनाथालयों में इन कपड़ों को दान दे सकती है। पर सवाल यह है कि हम और आप ऐसा कितनी बार करते हैं? अब तक आपने ऐसा नहीं किया है तो इस साल से इस काम का शुभारंभ कर ही दीजिए। खंगाल डालिए सारी अलमारियां, पुराने सूटकेस और उन सभी कपड़ों को थमा दीजिए उन्हें, जिन्हें इनकी जरूरत है।

कपड़ों के हो सकते हैं ढेरों इस्तेमाल

वो सिल्क टॉप, वो कॉटन की साड़ी और वो पति की दाग वाली शर्ट। अगर ऐसे कपड़े आपके पास भी हैं, जिनको पहना नहीं जा सकता तो इनको दूसरे तरीके से इस्तेमाल में लाइए। जैसे सिल्क के टॉप से बैग बन सकता है या फिर कॉटन की साड़ी पर थोड़ी कसीदाकारी के बाद टेबल कवर। इन्हीं बेकार कपड़ों में वो ड्रेस भी है जिसका रंग फीका हो गया था, पर पहनी एक-दो बार ही थी। ऐसी ड्रेस को सहेज कर रखने से क्या होगा? अगर संभव है तो इसको नए रंग में डाई करा लीजिए और अपनी वॉर्डरोब में शामिल कर लीजिए। और पुरानी जींस से कैप्री बनाने का आइडिया तो आपको पता ही है। इतना ही नहीं, इन्हीं पुरानी ड्रेस में से कोई ऐसा पैचवर्क या फिर कटआउट भी मिल सकता है जिसे फ्रेम करवाकर ड्रॉइंगरूम की शोभा बढ़ाई जा सकती है।

बेकार फर्नीचर हो जाएगा नया

छत पर पड़े पुराने फर्नीचर से क्यों न कुछ नए फर्नीचर बनवा लिए जाएं। आपको सिर्फ फर्नीचर के नए स्टाइल से रू-ब-रू होना है। इंटरनेट पर देख लीजिए या फिर शोरूम में। फर्नीचर का ऐसा स्टाइल तलाशें, जिसका इस्तेमाल आप नए तरीके से कर सकें। सोफा कम बेड, चेस्टर सोफा, हैंगिंग टेबल आदि। इतना ही नहीं, आप पुराने बेकार फर्नीचर से छोटे-छोटे स्टूल भी बनवा सकती हैं।

किताबों का इंतजाम भी कीजिए

किताबें पढ़ने की शौकीन हैं, इसलिए 10 साल पहले जो किताब खरीदी वो भी वहीं रखी है, जहां परसों खरीदी किताब रखी हुई है। ढेरों किताबें स्टोर रूम में भी पड़ी हैं। त्योहारों के इस मौसम में घर की साफ-सफाई के साथ-साथ अपनी किताबों की भी सुध लीजिए। जो किताबें आपके दिल के करीब नहीं हैं, उन्हें अलमारी से निकलिए और न इस्तेमाल होने वाली साड़ी में बांध कर रख दीजिए स्टोर में। बुकशेल्फ खाली होगी तो नई किताबों को जगह मिलेगी और साफ भी लगेगी वो अलग। आप चाहें तो कुछ किताबों को अपने घर के पास वाली लाइब्रेरी में भी दान दे सकती हैं। इसके अलावा फटी हुई किताबों की मरम्मत भी करा लीजिए। शेल्फ जरा और अच्छी लगेगी।

एक्सचेंज ऑफर भी तो है

फेस्टिव सीजन है तो मार्केट में एक्सचेंज ऑफर का फलसफा अब तक आप के कानों में पड़ ही चुका होगा। पुरानी चीजों में से उन-उन को छांटिए जो अब आपके काम की नहीं, लेकिन काम में आ सकने लायक हैं। इन सामानों को साथ लेकर निकल पडिए बाजार की ओर। इसमें बरतन, होम अप्लाइंसेस, टेलीविजन, टेपरिकॉर्डर जैसी चीजें शामिल हो सकती हैं। इन सबके बदले आपको कई उपयोगी चीजें मिल सकती हैं। जैसे पुराने गैस बर्नर को सालों से संभाल कर रखा है, पर नए के आगे इसकी रंगत फीकी लगती है, तो इसको बदलकर इंडक्शन कुक टॉप ले आइए। इस्तेमाल में न आने वाली चीजों को इकट्ठा करने से बेहतर है कि उनके बदले काम की चीज घर आ जाए।

कबाड़ भी निकालिए

कबाड़ वाला अकसर गली से निकलता है, पर महीनों से उसे बुलाकर बेकार सामान बेचने का समय नहीं मिला। इस बार पूरी साफ-सफाई के बाद जरा कबाड़ी को बुलाने का समय निकाल ही लीजिए। घर साफ-सुथरा दिखेगा और सकारात्मक ऊर्जा को घर आने का मौका भी मिलेगा।

घर को व्यवस्थित करने का फॉर्मूला

सबसे पहले एक-एक सामान कमरे से बाहर निकाल लें। अब उन सामानों को चुनें, जो इस कमरे में सबसे ज्यादा काम आने वाले हैं। इस्तेमाल की सभी चीजें निकालने के बाद बचे सामान में से सभी को दान में देने और कूड़े में डालने के दो हिस्सों में बांट लें। दान और कूड़े दोनों के ही आइटम अपनी-अपनी जगह पहुंचा दें। घर पर कूड़ा इकट्ठा न करें। अब इस्तेमाल के लिए रखी गई चीजों से कमरा सजाएं।

शॉपिंग में ना हो कन्फ्यूजन

शॉपिंग करते समय अगर आप साइज और कलर को लेकर कन्फ्यूज में हैं, तो हम आपको को कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप शॉपिंग कर सकती हैं

साइज

आप जब भी शॉपिंग करने जाती हैं, तो साइज को लेकर हमेशा परेशान हो जाती हैं। दरअसल, आपको जो ड्रेस पसंद आती है। वह टाइट होती है या फिर लूज। ऐसे में अगर आपको कोई ड्रेस बहुत पसंद आती है, लेकिन वह आपके साइज की नहीं है, तो आप उसे ले लीजिए और टेलर से अपने साइज का करवा लीजिए।

कलर

अगर आपको अपने साइज की ड्रेस मिल गई है, लेकिन आपको उसका कलर पसंद नहीं आ रहा है, तो आप उसे मत खरीदिए। हो सकता है कि वह कलर आप पर ना जंचे। सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप क्या पहनना चाहते हैं।

ट्रायल रूम हो साफ

आपने अपने लिए ड्रेस चुन ली है, लेकिन ट्रायल रूम बहुत गंदा है। ऐसे में आप दूसरे ट्रायल रूम में कपड़े चेंज करें। ऐसे माहौल में ड्रेस ट्राई करने पर आपको खुद ही वह ड्रेस अच्छी नहीं लगेगी।

डोर इन ट्रायल रूम

अगर आपके ट्रायल रूम में विंडो है और साथ वाले ट्रायल रूम में आपकी फ्रेंड है, तो अपनी फ्रेंड को ड्रेस दिखाकर पूछ सकती हैं कि उस पर ड्रेस कैसी लग रही है।

अगर कोई नहीं है

आप ड्रेस लेने गई हैं, लेकिन वहां आपको कोई एडवाइज देने वाला नहीं है कि आप पर वह ड्रेस कैसी लग रही है, तब आप फोन पर अपने दोस्तों को ड्रेस की डिटेल बताकर पूछ सकती हैं कि वह आप पर कैसी लगेगी।

नया ट्राई करें

अगर आपको कोई ड्रेस बहुत ही पसंद आती है, तो आप उसे ट्राई करें। आप उसे खरीद लें, अगर घर में ट्राई करने पर किसी को आप पर वह अच्छी नहीं लगती है, तो आप उसे वापस कर सकती हैं।

क्यूट जींस

आप शॉपिंग कर रही है, तभी आपकी नजर जींस पर पड़ती है। वह देखने में बहुत क्यूट है, लेकिन उसकी पॉकेट पर बहुत ही वियर्ड डिजाइन बने हैं। ऐसे में आप उसे खरीद सकती हैं और टेलर से उन पॉकेट की जगह कुछ अच्छा-सा पैच लगा सकती हैं।

कम बजट में उम्दा खरीदारी

सीजन है त्योहारों का। शॉपिंग का बुखार जोर पकड़ रहा है। बाजार में रौनक भी बढ़ने लगी है। फायदेमंद शॉपिंग के लिए जरूरी है कि शॉपिंग की फेहरिस्त तैयार करने से पहले ही उसका बजट तैयार कर लिया जाए। तो आइए जानते हैं स्मार्ट शॉपिंग के नायाब तरीके।

योजना बनाएं

शॉपिंग पर निकलने से पहले सामान की सूची तैयार करें कि आपको किसके लिए, क्या और कितनी चीज खरीदनी है। सूची तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इन चीजों को प्राथमिकता देते हुए लिखें, ताकि सही समय पर सही चीज खरीदी जा सके। चीजों पर कितना खर्च होगा, उसे जोड़ें और अब 15-20 फीसदी कम कर दें। सीजन में जहां भी सेल लगी हो उसका ध्यान रखें और अपने बजट व पसंद के मुताबिक खरीदारी भी करें। बाजार की चकाचौंध और सेल के चक्कर में बजट से बाहर न जाएं, इसके लिए अपनी लिस्ट को बार-बार चेक करती रहें।

केडिट कार्ड के बजाय नगद

फेस्टिवल शॉपिंग करने के लिए हमेशा नगद राशि का इस्तेमाल करें। क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग न करें, क्योंकि ज्यादा खरीदारी पर आपको कंपाउंड इंट्रेस्ट देना पडता है। साथ ही अगर किसी कारणवश खरीदे गए सामान को बदलना हो तो आपको नगदी वापस नहीं मिलेगी। सीमित स्टॉक में से ही आपको अपना सामान बदलना होगा।

छूट का खयाल रखें

फेस्टिव सीजन के दौरान कई चीजों पर छूट भी मिलती है। छूट के बारे में पूछते समय संकोच न करें। एक ही जगह कीमत पूछकर खरीदारी न करें। किसी दूसरी शॉप से भी उस चीज का मूल्य जांच लें।

इंटरनेट से मदद लें

जो सामान खरीदना चाहती हैं, उसकी जानकारी इंटरनेट से लें। इंटरनेट पर आपको अलग-अलग ब्रैंड्स के प्रोडक्ट्स की कीमत भी पता चल जाएगी। साथ ही उन पर मिलने वाली छूट के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा। इसे तुलनात्मक खरीदारी कहा जाता है। इंटरनेट पर कीमत की पहले से जानकारी लेना आपकी जेब को हलका नहीं होने देगा।

जगह तय करें

शॉपिंग से पहले यह तय करें कि आपको सब सामान कहां से खरीदना है। ऐसी जगह चुनें जहां आपकी सारी जरूरतें पूरी हो जाएं। इससे न सिर्फ समय, बल्कि पैसा भी बर्बाद होने से बचेगा। बेहतर होगा कि आप उन जगहों की सूची बना लें जहां आपकी पसंद का सामान सही दाम में मिलता हो।

जरूर लें बिल

त्योहारों में जब भी शॉपिंग करें तो बिल लेना न भूलें। आमतौर पर शॉपिंग में भी बिल लेना जरूरी है, लेकिन इस सीजन में शॉपिंग के समय कई ऑफर होते हैं, जो सीमित समय के लिए होते हैं। बिल साथ होने पर बाद में कभी जरूरत पडने पर आप सामान/ चीज को बदल भी सकते हैं या किसी प्रकार की डैमेज होने पर उसकी रिपेयरिंग करवा सकते हैं।

जब हो फेस्टिव सेल

सोच-समझकर ही सेल पर उपलब्ध सामान खरीदें। इसके दो कारण हैं, एक तो सेल में निकाला गया सामान पुराना होता है, दूसरे सेल खत्म होने पर वह वापस नहीं होता।

कुछ मीठा हो जाए!

त्योहारों के मौसम में बाजार में मिलने वाली मिठाइयों में मिलावट की शिकायतें भी बढ़ने लगती है। पर, खास त्योहार वाले दिन मिठाई बनाने का वक्त भी नहीं होता। तो क्यों न इस बार त्योहार से दो-तीन दिन पहले ही कुछ ऐसी मिठाई बना ली जाए, जिसे आप स्टोर करके कुछ दिन रख सकती हैं।

चॉकलेट-नारियल लड्डू

सामग्री - कद्दूकस किया चॉकलेट- 1 कप, कद्दूकस किया नारियल- 2 1/2 कप, कटा बादाम- 1/2 कप, अखरोट के टुकड़े- 1/4 कप, दरदरा पिस्ता- 1/4 कप, मिल्क पाउडर- 3 चम्मच

विधि - दो कप नारियल, अखरोट, बादाम और पिस्ता को एक बाउल में डालें और अच्छी तरह से मिलाकर एक ओर रख दें। चॉकलेट पिघलाएं और उसे अच्छी तरह से फेंटें। चॉकलेट में नारियल वाला मिश्रण डालें और मिलाएं। मिल्क पाउडर डालकर मिश्रण को फिर से मिलाएं। मिश्रण से छोटे-छोटे लड्डू बना लें और उन पर बचा हुआ नारियल छिडक्क दें। लड्डू को अच्छी तरह से ठंडा होने दें और एयरटाइट डिब्बे में रखकर फ्रिज में स्टोर करें।

पिस्ता बर्फी

सामग्री - कटा हुआ पिस्ता- 10 चम्मच, खोया- 5 कप, मिल्क पाउडर- 5 चम्मच, चीनी- 10 चम्मच, सिल्वर फॉइल- 10 शीट, इलायची पाउडर- 1 चम्मच

विधि - खोया और चीनी को एक पैन में डालकर मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं। लगभग पांच मिनट तक पकाएं और उसके बाद उसमें इलायची पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को एक प्लेट में डालकर फैला दें। जब मिश्रण ठंडा हो जाए तो उसमें मिल्क पाउडर डालकर अच्छी तरह से गूंदें। मिश्रण की छोटी-छोटी लोई काटें और उसे ट्यूब के आकार में रोल करें। हर रोल में सिल्वर फॉइल को बेहद सावधानी से लपेटें। हर रोल को दो इंच लंबे टुकड़े में काटें और एयरटाइट डिब्बे में रखें। अगर आपको रोल बनाने में परेशानी हो रही है तो आप इस मिश्रण से बर्फी बना सकती हैं। पिस्ता बर्फी बनाने के लिए मिश्रण को प्लेट पर फैलाएं और ठंडा होने दें। मिश्रण को डायमंड शेप में काट लें। आपकी पिस्ता बर्फी तैयार है।

बारिश से तिघरा रोड पर जमीन धंसकी, पंद्रह परिवार किए शिफ्ट

ग्वालियर। अंचल में बीते दिनों हुई लगातार बारिश से गोल पहाडिया स्थित तिघरा रोड पर सड़क किनारे बनी बाउण्ड्री धंसक गई और भूस्खलन होने लगा। मामले का पता चलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और एक दर्जन से ज्यादा परिवारों को वहां से सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है और वहां पर पुलिस और प्रशासन की टीम निगरानी कर रही है। वहीं जमीन धसकने के कारण इस मार्ग से निकलने वाले भारी वाहनों का यातायात रोक दिया गया है।

टीआई जनकगंज विपेन्द्र सिंह ने बताया कि बुधवार और गुरुवार को हुई जोरदार बारिश से गोल पहाडिया स्थित तिघरा रोड पर ढलान पर स?क की बाउण्ड्री मिट्टी धंसकने के कारण गिर गई और वहां से लगातार भूस्खलन हो रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति जांची तो वहां से भूस्खलन की संभावना दिखाई दी।

भूस्खलन से पंद्रह परिवार हादसे का शिकार होने की संभावना दिखाई दी, जिसके बाद पुलिस ने पंद्रह परिवारों को ऐहतियात के तौर पर लक्ष्मीगंज सब्जी मंडी स्थित स्कूल में शिफ्ट किया और इस मार्ग पर भूस्खलन की संभावना के चलते भारी वाहनों का आना-जाना प्रतिबंधित किया गया है और भारी वाहनों को गुप्तेश्वर मंदिर और गोल पहाडिया चैराहे से रोका गया है, जिससे मोतीझील, तिघरा रोड पर आने वाले वाहनों को अब दूसरे रास्तों से डायवर्ट किया गया है। स्थिति पर नजर रखने के लिए और यहां से भारी वहनों को रोकने के लिए जनकगंज थाना पुलिस यहां पर तैनात की गई है, जिससे कोई हादसे का शिकार ना होने पाए। मामले का पता चलते ही आईजी अरविन्द सक्सैना, डीआईजी अमित सांघी और एसपी राकेश कुमार सगर के साथ ही एसडीएम सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे और पीडित परिवारों के भोजन और रहने की व्यवस्था कराई।

न्यूज ट्रैक

अतिवृष्टि से परेशान 250 से अधिक लोगों को पंहुचाया सुरक्षित स्थानों पर

ग्वालियर। मंगलवार की रात से गुरुवार तक हुई बारिश ने इस साल सभी रिकॉर्ड तो? दिए। इस बारिश के कारण वह भयप्रद मकान में निवास करने वाले 250 से अधिक लोगों को नगर निगम ने शिफ्ट कराकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा था। साथ ही इन लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो उसके कारण भोजन इत्यादि का प्रबंध किया गया साथ ही नौनिहालों के लिए दूध के पैकेट भेजे गए। इन 250 से अधिक लोगों में से अधिकांश लोग बारिश बंद होने के बाद अपने-अपने घरों को जा चुके हैं, जबकि कुछ लोग अभी भी इन स्थानों पर मौजूद है। निगम आयुक्त अमन वैष्णव विगत दो दिन हुई बारिश के दौरान लगातार शहर की स्थिति पर नजर रखे रहे। अतिबारिश के दौरान निगम के सभी अधिकारी दमकल विभाग और सफाईमित्र लगातार निगमायुक्त के निर्देशन में कार्य का संपादन करते रहे। इसके चलते जिन स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी उसे नियंत्रित किया गया। साथ ही जिन क्षेत्रों में मकानों को नुकसान पहुंचा एवं जो मकान भयप्रद थे उनके निवासियों को स्थानांतरित किया गया। मूसलाधार बारिश के कारण क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 16 एवं 17 के जल भराव एवं भयप्रद मकानो में निवास करने वाले 241 लोगों को नगर निगम द्वारा न्यू कृषि मंडी विश्रामगृह में शिफ्ट किया गया था। इसी प्रकार क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 7 स्थित जगनपुरा के 10 लोगों को मानसिक आरोग्यशाला के पास स्थित रैन बसेरा में ठहराया गया। इन लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो तथा रात्रि में आराम कर सकें इसके लिए गद्दे इत्यादि का प्रबंध नगर निगम के द्वारा किया गया । साथ ही सभी लोगों को भरपेट भोजन उपलब्ध हो सके इसके लिए भोजन के पैकेट बनाकर इन सभी के पास भेजे गए। वहीं शिफ्ट किए गए लोगों के साथ कई नोनिहाल बच्चे भी थे । इन बच्चों के लिए नगर निगम द्वारा अलग से दूध की व्यवस्था की गई । बारिश बंद होने के बाद अधिकांश लोग अब अपने घरों को जा चुके हैं जबकि कुछ लोग अभी भी सुरक्षित स्थानों पर रुके हुए हैं।

ऋण व जमा के अनुपात में संतुलन बनाएँ सभी बैंक: कलेक्टर

ग्वालियर । सभी बैंक ऋण व जमा के अनुपात में संतुलन बनाएं। बैंकर्स आगे आकर स्वरोजगार व अन्य प्रयोजन के लिये ऋण प्रदान करें, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने डीएलसीसी (जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति) की त्रैमासिक बैठक में विभिन्न बैंकों के समन्वयकों को दिए। उन्होंने सरकार की स्वरोजगारमूलक योजनाओं के स्वीकृत प्रकरणों और वितरण के अंतर को कम करने पर भी बल दिया। साथ ही विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैंकों में लक्ष्य के अनुसार पर्याप्त संख्या में प्रकरण भेजें। बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी बैंकों के समन्वयकों को निर्देश दिए कि वे पीएम स्वनिधि योजना के लंबित प्रकरणों को जल्द से जल्द स्वीकृत करें। साथ ही वितरण का काम भी तेजी से किया जाए, जिससे स्ट्रीट वेंडर अपनी आजीविका को बड़ा सकें। उन्होंने उद्यानिकी विभाग की पीएमएफएमई योजना के प्रकरणों को प्रमुखता से स्वीकृत करने के लिये कहा। साथ ही निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित स्वरोजगारमूलक योजनाओं के वार्षिक लक्ष्यों को त्रैमासिक लक्ष्य में विभाजित कर प्रकरणों को स्वीकृति करें। बैठक में मौजूदा वित्तीय वर्ष की वार्षिक साख योजना पुस्तक का विमोचन भी कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि विश्वजीत कर, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक धर्मेन्द्र सिंह, लीड बैंक अधिकारी श्रीमती अमिता शर्मा तथा विभिन्न बैंकों के समन्वय और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जेसी मिल के श्रमिकों-कर्मचारियों की देनदारियों की गणना में विसंगतियां: नाती

ग्वालियर। जेसी मिल ग्वालियर की देनदारी के प्रकरण में इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत रिपोर्ट में श्रमिक पक्ष की मांग को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह जानकारी मजदूर कांग्रेस (इंटक) के महामंत्री राजेन्द्र सिंह नाती ने दी है। श्री नाती ने बताया कि इंटक द्वारा देनदारियों की गणना हुकुमचन्द मिल इन्दौर के श्रमिक कर्मचारियों के आधार पर मांग रही है। साथ ही न्यायालय में संस्था द्वारा देनदारी पर बैंक ब्याज का आवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है। जब तक किसी निर्णय पर नही पहुँचते हैं, तब तक कई तरह के प्रस्ताव आते और जाते है। संस्था का मानना है कि जेसी मिल के श्रमिकों-कर्मचारियों की देनदारियों की गणना में कई विसंगतियां हैं, जिनका सुधार अत्यंत आवश्यक है और इसके प्रयास शासन स्तर पर परिसमापक अधिकारी के समक्ष एवं उच्च न्यायालय में किए जा रहे है। मजदूर कांग्रेस (इंटक) ग्वालियर उच्च न्यायालय में परिसमापक अधिकारी द्वारा स्वीकार देनदारियों से कतई सहमत नही है।

किसानों व छात्राओं को सिखाई मधुमक्खी पालन की बारीकियाँ

ग्वालियर । सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ और एफपीओ फार्मर प्रोड्यूसर संघ, एनआरएलएम के तत्वावधान मैं सी एस आई आर-फ्लोरीकल्चर मिशन चरण-2 के तहत जिले के विद्यांचल कृषि समृद्धि केंद्र ग्राम उदयपुर में मधुमक्खी पालन पर आयोजित हुए चार दिवसीय कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ । इस कार्यक्रम के माध्यम से 35 से अधिक लाभार्थियों तथा केआरजी कॉलेज की 20 छात्राओं ने मधुमक्खी पालन की बारीकियाँ सीखीं। अंत में सभी लाभार्थियों को कुल 200 मधुमक्खी बॉक्स, मधुमक्खी पालन से संबंधित टूल किट, प्रशिक्षण मान पत्र निःशुल्क वितरित किए। समापन कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अविनाश तिवारी ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर शैलेन्द्र त्यागी, सीईओ विध्यांचल देवेंद्र सिंह भदौरिया एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा मधुमक्खी पालन की तकनीकी सरल भाषा में व व्यवहारिक रूप से समझाई गई। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ शैलेन्द्र सिंह कुशवाह, कृषि विज्ञान केन्द्र मुरैना के वैज्ञानिक डॉ. अशोक यादव एवं डॉ स्वाति सिंह तोमर ने मधुमक्खी पालन से संबंधित

विशेष जानकारी विभिन्न दिवसों मे साझा की। मधुमक्खी पालन ग्वालियर में एक नया उद्धम इस्थापित करने की पहल है। ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक विनीत गुप्ता ने बताया कि महिलाएं सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर स्वावलंबी बन सकती हैं। देवेंद्र भदौरिया ने बताया कि शहद के अतिरिक्त बाइप्रोडक्ट प्रोडक्ट है मधुमक्खी का जहर सोने के बराबर कीमती है। मधुमक्खी का जहर लगभग 60 से 70 हजार रुपए तोले के हिसाब से बिकता है। इसका उपयोग गठिया के इलाज सहित कई बीमारियों में होता है। सीएसआईआर - फ्लोरीकल्चर मिशन के तहत डायरेक्टर एन बीआर आई लखनऊ डॉक्टर अजीत के सासनी के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीएसआई आर-एन बी आर आई लखनऊ की टीम ने भी लाभार्थियों को सीएसआईआर के विज़न एवं मिशन से संबंधित जानकारियां साझा कर इसकी शुरुआत की । यह भी बताया गया कि काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने राष्ट्रव्यापी फ्लोरीकल्चर मिशन लॉन्च किया है जिसमें राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ समन्वय संगठन हैं। मिशन में कई गतिविधियां शामिल हैं जैसे नई फूलों की किस्म का विकास, फूलों की खेती का विस्तार, मधुमक्खी पालन इत्यादि। एपिकल्चर इंटीग्रेटेड फ्लोरीकल्चर के तहत चयनित राज्यों में प्रतिवर्ष 200 मधुमक्खी बॉक्स वितरित करने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश में 200 मधुमक्खी बॉक्स 13 सितंबर को वितरित किया गया।कार्यक्रम में एन बी आर आई के डॉ पुनीत सिंह चौहान (सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट), डॉ सौमित कुमार बेहेरा (सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट), डॉ.सुशील कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक), अम्बुज शुक्ल एवं प्रभात मौर्य मौजूद रहे।

बीएसएफ अकादमी में 45वीं अंतर सीमांत एथलेटिक्स स्पर्धा का समापन, नार्थ बंगाल ने ट्राफी जीती

ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के लालबहादुर स्टेडियम में शुक्रवार को 45वीं अंतर सीमांत एथलेटिक्स स्पर्धा का समापन हो गया। स्पर्धा का शुभारंभ 9 सितंबर को हुआ था। स्पर्धा में नार्थ बंगाल फ्रंटियर ने ट्राफी पर कब्जा जमाया। जबकि रनर कप जम्मू फ्रंटियर ने जीता। समापन समारोह में अपर महानिदेशक एवं अकादमी निदेशक सेवांग नामग्याल उपस्थित थे। इस अवसर पर अलग अलग सीमांत मुख्यालयों से 11 टीमों ने भाग लिया। जिसमें पूर्वी कमान से दक्षिण बंगाल, उत्तर बंगाल, गोहाटी, मेघालय, त्रिपुरा मिजोरम सीमांत की टीमें एवं पश्चिमी कमान से जम्मू, काशमीर, पंजाब, राजस्थान, तथा गुजरात सीमांत की टीमों ने हिस्सा लिया। पांच दिन चली स्पर्धा में 279 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ट्रेक एवं फील्ड की 23 स्पर्धाएं आयोजित की गई। इस अवसर पर नार्थ बंगाल सीमांत के एथलीट आरक्षक अथुल एस को सर्वश्रेष्ठ एथलीट की ट्राफी प्रदान की गई। अकादमी निदेशक सेवांग नामग्याल ने सभी टीमों को बधाई देते हुये स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के लिए सभी टीमों की सराहना की। उन्होंने प्रतियोगिता को विधिवत समापन की घोषणा की। समापन में बीएसएफ के अधिकारी अधीनस्थ अधिकारी अन्य कार्मिक मौजूद रहे। समारोह में बीएसएफ सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के नवआरक्षकों, महिला एवं पुरूष की टीमों सहित बीएसएफ स्कूल के बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। इससे पूर्व 3 हजार मीटर दौड में पवन कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 4 गुणा 400 रिले टीम में नार्थ बंगाल ने पहला स्थान प्राप्त किया। स्पर्धा का ध्वज एसटीसी के प्रमुख को सौंपा गया।

निगम आयुक्त ने किया चौपाटी पार्क स्पोर्ट्स काम्पलेक्स का निरीक्षण

ग्वालियर। शुक्रवार को निगम आयुक्त अमन वैष्णव निरीक्षण पर निकले। उन्होंने हजीरा स्थित स्पोर्ट्स काम्पलेक्स चौपाटी मनोरंजनालय पार्क सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। शुक्रवार को निगम आयुक्त अमन वैष्णव सबसे पहले हजीरा स्थित स्पोर्ट्स काम्पलेक्स और चौपाटी का निरीक्षण करने पहुंच। निगम आयुक्त स्पोर्ट्स काम्पलेक्स के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की इसको जल्द से जल्द हैंडओवर करने की कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही मनोरंजनालय पार्क क्षेत्र में महापुरुषों की प्रतिमाओं को लगाने के सुझाव दिए। इसके बाद निगम आयुक्त ने गोले का मंदिर स्थित मार्क हॉस्पिटल की जमीन को देखा और वहां पर आगे की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त विजयराज, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, सिटी प्लानर पवन सिंघल, कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे, प्रदीप जादौन आदि मौजूद रहे।

पांच लाख का पत्रकार बीमा प्रीमियम मुक्त किया जाए

बीमा विसंगतियों को लेकर मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ पन्ना ने सौंपा ज्ञापन

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशन में प्रदेश भर में पत्रकार बीमा विसंगतियों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिए जा रहे हैं इस तारतम में आज पन्ना जिला इकाई के अध्यक्ष धनंजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिले भर से पहुंचे करीब आधा सैकड़ा पत्रकारों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम कलेक्टर सुरेश कुमार को ज्ञापन सोपा ज्ञापन में कहां गया है कि पूर्व में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की ही मांग पर राज्य सरकार द्वारा पत्रकार कल्याण बीमा योजना लागू की गई थी, इस योजना में प्रमुख बिंदु यह था कि किसी भी अस्पताल में पत्रकारों एवं उनके के परिजनों के लोगों को अल्प प्रीमियम में लाभ मिल जाता था यह योजना करीब एक दशक पूर्व से अभी तक लागू रही है। हाल ही में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पत्रकारों को पत्रकार कल्याण बीमा करने हेतु विज्ञापन जारी किया गया है इस विज्ञापन में अधिमान्य तथा गैर अधिमान्य पत्रकारों के 2 लाख एवं 5 लाख के के सभी आयु वर्ग के पत्रकारों का बीमा प्रीमियम राशि में

पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बढ़ोतरी की गई है ज्यादातर पत्रकार साथी उपरोक्त बढ़ी हुई प्रीमियम राशि को भुगतान करने में सक्षम नहीं है तथा इस योजना के लाभ से वंचित हो सकते हैं। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ पूरे प्रदेश में मध्य प्रदेश शासन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए जिलेवार ज्ञापन सौंप रही है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से यह भी स्मरण कराया गया है कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में वहां के पत्रकारों के लिए सरकार द्वारा निशुल्क पत्रकार सुरक्षा बीमा उपलब्ध कराया गया है उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में पत्रकारों को ?5 लख रुपए तक बिना किसी प्रीमियम के इस योजना का लाभ मिल रहा है इसी प्रकार मध्य प्रदेश में भी पत्रकार स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा बीमा निशुल्क रूप से उपलब्ध कराई जाए साथ ही पत्रकार दुर्घटना बीमा योजना में बढ़ाई गई प्रीमियम को सहानुभूति पूर्वक शून्य की जाए साथ ही विज्ञापन की तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर की जाए अगर शासन द्वारा मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा प्रस्तावित मांगों को तीन दिवस में निराकृत नहीं किया गया तो मजबूर होकर पत्रकार कल्याण बीमा योजना को अस्वीकार करने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से पन्ना अजयगढ़ अमानगंज पवई सिमरिया देवेंद्र नगर शाहनगर के तहसील अध्यक्ष तथा पत्रकार एवं संगठन की संभागीय तथा जिला पदाधिकारी सहित आधा सैकड़ा से ज्यादा पत्रकारो की उपस्थिति में पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार को ज्ञापन दिया गया मीडिया के समक्ष पन्ना कलेक्टर ने कहा कि यह नीतिगत मांग है पत्रकारों की समस्याओं को लेकर जो ज्ञापन दिया गया है वह संबंधित मंच तक आज ही प्रेषित किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478